राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 16 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-384 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

राजनाथ सिंह की उग्रवादी तत्वों से अपील- हिंसा त्याग केंद्र से करें बातचीत...राज्य के विकास में बनें भागीदार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मणिपुर में उग्रवादी तत्वों से हिंसा त्यागने और केंद्र सरकार के साथ बातचीत करने के लिए आने का आह्वान किया है। इंफाल वेस्ट जिले के लंगथाबल में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि अगर उग्रवादी तत्व मुख्यधारा में लौटने के इच्छुक हैं तो केंद्र सरकार उनसे बातचीत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम उग्रवादियों से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। मणिपुर में पिछले पांच साल में सबसे कम हिंसा देखने को मिली है। उग्रवाद बहुत कम हुआ है। भाजपा हिंसा को समाप्त करेगी और क्षेत्र में शांति तथा विकास लाएगी। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में बेरोजगारी, गरीबी अन्य मुद्दों को सुलझाने तथा राज्य की आमदनी बढ़ाने के वास्ते पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि मणिपुर में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में कांग्रेस की पिछली सरकारों की जन विरोधी नीतियों के कारण यह क्षेत्र विकास के क्रम में देश के अन्य भाग से पिछड़ गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की और उसकी जन विरोधी नीतियों ने उसकी पूर्वोत्तर रोधी मानसिकता को उजागर किया प्रधानमंत्री बनने के बाद, अटल बिहारी वाजपेयी ने इस क्षेत्र के विकास के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया था लेकिन 2004 में उनकी सरकार जाने के बाद अगले 10 साल तक इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई। सिंह ने कहा का भाजपा के 2017 में राज्य में सत्ता में आने के बाद से मणिपुर में तेजी से विकास हुआ है। पांच साल पहले, राज्य में हिंसा का वातावरण था जो अब समाप्त हो गया है। राज्य के लोगों ने भाजपा के शासन में विकास और सुशासन देखा है।

बुर्का पहनी विदेशी महिला ने कैब ड्राइवर को मारा चाकू, पुलिस ने पीछा कर पकड़ा

गुरुग्राम। कर्नाटक में जहां हिजाब विवाद मामला थमता नज़र नहीं आ रहा है वहीं आज गुरुग्राम में एक बुर्का पहनी महिला ने कैब चालक को कथित रूप से चाकू मार दिया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना गुरुग्राम में दोपहर के समय राजीव चौक पर हुई। जहां एक बुर्का पहने महिला ने कैब चालक को चाकू मार घटनास्थल से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। महिला खुद को मिस्र की निवासी बता रही है। पीसीआर कर्मियों द्वारा पकड़े जाने पर अपनी मिस्र भाषा में चिल्लाना शुरू कर दिया। घटना के एक वीडियो में वह महिला पुलिसकर्मी को मुक्के मारती और पीटती हुई दिख रही है। संदिग्ध महिला को सिविल लाइंस थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है। वहीं महिला ने भागते समय चाकू फेंक दिया था और पुलिस अभी तक उसे बरामद नहीं कर पाई है। पुलिस ने कहा कि उसके पास से कोई पासपोर्ट या वीजा बरामद नहीं हुआ है। वहीं कैब चालक रघुराज ने कहा कि वह दिल्ली के आनंद विहार में गाड़ी चलाता है। मैं एक यात्री के साथ कैब के अंदर बैठा था, तभी वह महिला आई। मैंने सोचा कि उसे कहीं जाना है। लेकिन, उसने मेरे कंधे में छुरा घोंप दिया और भाग गई। मैंने उसका पीछा किया, लेकिन उसने मेरे चेहरे पर खरोंच मार दी इसके बाद वहां मौजूद पीसीआर ने उसे पकड़ लिया।

प्रधानमंत्री 16 फरवरी को सीतापुर और 17 फरवरी को फतेहपुर में करेंगे रैली, चुनावी अभियान को देंगे धार

चुनावी अभियान

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अभियान को धार देने की कवायद के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को सीतापुर और गुरुवार को फतेहपुर में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री 16 फरवरी को सीतापुर जिले की सभी नौ विधानसभाओं की संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे जबकि 17 फरवरी को फतेहपुर और बांदा के अलावा रायबरेली जिले की 11 विधानसभाओं की संयुक्त रैली होगी। इसके साथ ही झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा और रायबरेली जिलों की नौ विधानसभाओं में भाजपा समर्थक मोदी को वर्चुअल माध्यम से देख सुन सकेंगे। वर्चुअल रैली में विधानसभा में किसी एक कार्यक्रम में प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। भाजपा ने रैली के सफल आयोजन के लिए सभी जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया है। प्रदेश महामंत्री और रैली प्रभारी अनूप गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि सीतापुर के मिलिट्री ग्राउंड में होने वाली रैली में महोली, सीतापुर, हरगांव, लहरपुर, बिसवां, सेउता, महमूदाबाद, सिधौली, और मिश्रिख विधानसभाओं के कार्यकर्ता, बीजेपी समर्थक और आम जन मोदी को सुनने के लिए आएंगे। वहीं 17 फरवरी को फतेहपुर में एफसीआई, ढकौली के ग्राउंड में होने वाली रैली में फतेहपुर जिले की जहानाबाद, बिंदकी, फतेहपुर, अयाहशाह, हुसेनगंज और खागा तथा बंदा जिले की तिंदवारी, बबेरू, नरैनी और बांदा सदर, रायबरेली की सरेनी विधानसभा के कार्यकर्ता, बीजेपी समर्थक और आम जन भाग लेंगे। फतेहपुर से प्रधानमंत्री झांसी की सदर और मऊरानीपुर, ललितपुर की ललितपुर और महरौनी, हमीरपुर की राठ और हमीरपुर , महोबा की महोबा और चरखारी तथा रायबरेली की सालोन विधानसभाओं के 52 सांगठनिक मंडलों पर वर्चुअल रैली के माध्यम से संबोधित करेंगे। यहां बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाकर कोविड निर्देशों का पालन कर लोगों को पीएम का संबोधन सुनाने की व्यवस्था की है। जहां विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही पीएम की वर्चुअल रैली का प्रसारण सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी किया जाएगा। पीएम के सभी कार्यक्रमों का प्रसारण सभी सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म्स पर भी किया जाएगा। प्रदेश भर से कार्यकर्ता और आमजन भी उन्हें विभिन्न माध्यमों से सुन सकेंगे। प्रदेश भर से कार्यकर्ता और आमजन भी उन्हें विभिन्न माध्यमों से सुन सकेंगे।

उत्तराखंड में अब कांग्रेस की सरकार बनने जा रही, हरीश रावत ने किया इतनी सीटें जीतने का दावा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने उत्तराखंड में अपनी पार्टी की जीत की उम्मीद जताते हुए मंगलवार को दावा किया कि राज्य की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया है और कांग्रेस को करीब 48 सीटें मिलेंगी। उन्होंने एक साक्षात्कार में बातचीत के दौरान कहा कि इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत होने पर मुख्यमंत्री का फैसला पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी करेंगी और उनका निर्णय सबको स्वीकार्य होगा। उत्तराखंड विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। मतगणना 10 मार्च को होगी। पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने कहा, ''मतदान के बाद मैं यह कह सकता हूं कि कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है। उत्तराखंड की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया है। चुनावों में कुछ सामान्य संकेत होते हैं जिनसे यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के पक्ष में लोगों ने मतदान किया है और उत्तराखंड में अब कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने दावा किया, ''हमारा अपना गणित कहता है कि कांग्रेस को 48 के आसपास सीटें मिलना चहिए। पिछले पांच साल उत्तराखंड के लिए बहुत कष्ट वाले रहे हैं। लोगों के स्वाभिमान पर चोट हुई है। लोगों के स्वाभिमान पर चोट हुई है। ऐसे में यह लगता है कि लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है। रावत ने यह उम्मीद भी जताई कि लोगों ने मतदान करते समय इस बात को भी ध्यान रखा होगा कि साल 2016 जैसी स्थिति पैदा न हो जब कांग्रेस के कई विधायकों के बगावत करने के बाद उनके (रावत) नेतृत्व वाली सरकार संकट में आ गई थी और कुछ महीने तक राजनीतिक अस्थिरता रही थी। उन्होंने कहा, ''हमें आशा है कि उत्तराखंड की जनता ने इस बात को ध्यान में रखा है कि 2016 वाली स्थिति पैदा नहीं हो।

स्थापना दिवस पर बिहार विधानसभा को संबोधित करेंगे लोकसभा अध्यक्ष, कुल 318 सदस्य लेंगे भाग

नई दिल्ली।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बृहस्पतिवार (17 फरवरी) को बिहार विधान सभा के स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार विधान सभा और बिहार विधान परिषद के सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष बिरला, बिहार विधान सभा डिजिटल टीवी और बिहार विधान सभा पत्रिका का भी लोकार्पण करेंगे। वे बिहार विधानमंडल के सदस्यों को संबोधित भी करेंगे। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान सभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव तथा अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। बयान के अनुसार, इसमें राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश उपस्थित रहेंगे। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा बिहार विधान सभा सचिवालय के समन्वय से बिहार विधान सभा और बिहार विधान परिषद के सदस्यों के लिए किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि 17 फरवरी 2022 को बिहार विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में आयोजित किए जा रहे इस प्रबोधन कार्यक्रम में बिहार विधानमंडल के कुल 318 सदस्य भाग लेंगे। इसमें सदस्यों को प्रभावी विधायक कैसे बनें, विधानमंडलों और उनके माननीय सदस्यों के विशेषाधिकार, %संसदीय प्रथाएं, परिपाटियां और शिष्टाचार, विधायी प्रक्रिया, बजटीय प्रक्रिया सहित कई विषयों पर जानकारी दी जाएगी।

अश्विनी कुमार का इस्तीफा पंजाब चुनाव पर कोई असर नहीं डालने वाला, बोले कांग्रेस नेता

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज सुबह इस्तीफा भेजा और कहा कि वह पार्टी से बाहर रहकर देश के लिए बेहतर तरीके से कार्य कर सकते हैं। वह मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कानून मंत्री थे। वह 46 वर्षों से कांग्रेस के साथ जुड़े हुए थे। वहीं, इस पर कांग्रेस नेता जयवीर शेरगिल ने कहा कि जब भी एक सदस्य जिसका पार्टी से 40-45 साल का रिश्ता रहा वो छोड़कर जाता है तो ये दुख की बात है लेकिन हमारी शुभकामनाएं अश्विनी कुमार के साथ हैं। अश्विनी कुमार का इस्तीफा पंजाब चुनाव पर कोई असर नहीं डालने वाला क्योंकि ये चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। अश्विनी कुमार का इस्तीफा पंजाब चुनाव पर कोई असर नहीं डालने वाला क्योंकि ये चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ा जा रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव बोले- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज चलाने वाले बाबा का नाम बताए सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सबसे बड़े नेशनल स्टॉक एक्सचेंज-एनएसई को कोई अदृश्य बाबा हिमालय में बैठकर कहीं से नियंत्रित कर रहे हैं और सबसे बड़े आर्थिक घोटाले को अंजाम दे रहे हैं। इसलिए इस पूरे प्रकरण पर श्वेत पत्र जारी कर देश की जनता को असलियत बताई जानी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाबा हिमालय में कहीं अज्ञात जगह से एनएससी को निर्देश देते हैं और सीएओ तथा निदेशक उस बाबा के निर्देश का पालन करते हैं। उनका कहना था कि यह खुलासा किसी और ने यही बल्कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड-सेबी ने अपनी रिपोर्ट में किया है। उन्होंने कहा कि एनएससी 3.300 लाख करोड़ रुपये के कारोबार वाली कंपनी है और उसमें कोई बाबा अदृश्य रहकर हस्तक्षेप करता है तो निश्चित रूप से यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक घोटाला है । प्रवक्ता ने कहा कि कमाल की बात यह है कि सेबी ने देश के इस सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज पर एक हजार करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया लेकिन एनएससी ने जुर्माना देने से इनकार कर दिया है।

गोवा में कांग्रेस-जीएफपी को मिलेगा बहुमत, बड़ी संख्या में लोग मतदान करने बाहर निकले: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

पणजी। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के साथ उसका गठबंधन 40 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करेगा और भाजपा को 10 से भी कम सीटें मिलेंगी। गोवा विधानसभा चुनाव में सोमवार को 78.94 प्रतिशत मतदान हुआ। मतों की गिनती 10 मार्च को होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडनकर ने कहा कि लोग 'भाजपा के खिलाफ' बड़ी संख्या में मतदान करने बाहर निकले। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस-जीएफपी गठबंधन सदन में 21 सीटों का बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार कर लेगा, जबकि भाजपा को 10 से कम सीटें मिलेंगी। मंगलवार को कांग्रेस ने यहां अपने प्रत्याशियों के साथ उनके निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की। पार्टी के गोवा प्रभारी दिनेश गुंडू राव ने कहा कि जीएफपी प्रमुख विजय सरदेसाई भी इस बैठक में मौजूद थे। पार्टी के गोवा प्रभारी दिनेश गुंडू राव ने कहा कि जीएफपी प्रमुख विजय सरदेसाई भी इस बैठक में मौजूद थे। विजय सरदेसाई भी इस बैठक में मौजूद थे।

दिल्ली बनाम केंद्र:

प्रशासनिक सेवाओं पर किसका नियंत्रण होगा? सुप्रीम कोर्ट 3 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण के विवादित मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की याचिका पर तीन मार्च को सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया। दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर किसका नियंत्रण होगा, यह विवाद 2019 के एक खंडित फैसले के बाद पैदा हो गया था। 14 फरवरी, 2019 को न्यायमूर्ति ए. के. सीकरी और न्यायमूर्ति अशोक भूषण की दो सदस्यीय पीठ ने प्रधान न्यायाधीश से सिफारिश की थी कि राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण के मुद्दे पर खंडित फैसले के मद्देनजर अंतिम फैसला करने के लिए तीन-न्यायाधीशों की पीठ गठित की जाए। न्यायमूर्ति भूषण ने फैसला दिया था कि प्रशासनिक सेवाओं पर दिल्ली सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है। हालांकि न्यायमूर्ति सीकरी ने अलग फैसला दिया था। उन्होंने कहा कि शीर्ष पदों (संयुक्त निदेशक और उससे ऊपर) पर अधिकारियों के तबादले या तैनाती केवल केंद्र सरकार द्वारा ही की जा सकती है। न्यायमूर्ति भूषण ने फैसला दिया था कि प्रशासनिक सेवाओं पर दिल्ली सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है। हालांकि न्यायमूर्ति सीकरी ने अलग फैसला दिया था। उन्होंने कहा कि शीर्ष पदों (संयुक्त निदेशक और उससे ऊपर) पर अधिकारियों के तबादले या तैनाती केवल केंद्र सरकार द्वारा ही की जा सकती है। दिल्ली सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए. एम. सिंघवी ने प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया। सिंघवी ने कहा कि यह मामला इस सवाल से संबंधित है कि क्या दिल्ली सरकार का अपने आईएएस अधिकारियों पर कोई नियंत्रण और शक्ति है या नहीं। इसकी सुनवाई 2020 में और फिर 2021 में दिवाली की छुट्टी के बाद होनी थी। इस पर पीठ ने तीन मार्च को सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। पीठ में न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं।

प्रधान न्यायाधीश नीत पीठ ने पांच अक्टूबर को कहा था कि वह दिवाली की छुट्टी के बाद आप सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए तीन-न्यायाधीशों की पीठ का गठन करेगी।पीठ में न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं। प्रधान न्यायाधीश नीत पीठ ने पांच अक्टूबर को कहा था कि वह दिवाली की छुट्टी के बाद आप सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए तीन-न्यायाधीशों की पीठ का गठन करेगी।

महाराष्ट्र सरकार को गिराने के लिए हो रहा केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल, राउत बोले- हम झुकने वालों में से नहीं

नई दिल्ली।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास आघाडी नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाकर सरकार को गिराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। राउत ने यहां दादर इलाके में शिवसेना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गठबंधन इस तरह की दबाव की रणनीति के आगे नहीं झुकेगा। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। शिवसेना नेता ने दावा किया कि भाजपा के कुछ नेताओं ने उनसे पाला बदलने के लिए संपर्क किया था और चेतावनी दी थी कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें कीमत चुकानी होगी। राउत ने कहा, ÷इसके तुरंत बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मेरे करीबी लोगों को निशाना बनाने लगा। उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे नीत सरकार को गिराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन अगर आपको लगता है कि हम झुक जाएंगे तो यह संभव नहीं है। यह हमने दिवंगत बालासाहेब ठाकरे से सीखा है।

राज्यसभा सदस्य राउत ने दावा किया कि वे (ईडी) गठबंधन नेताओं के परिवार के सदस्यों को बदनाम करने के लिए उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और झारखंड में सरकार गिराने की साजिश चल रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया के पुत्र नील सोमैया पीएमसी बैंक घोटाला मामले में आरोपी राकेश वाधवान के कारोबारी सहयोगी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में उचित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सभी दस्तावेज सौंपेंगे।

राउत के आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उचित समय पर वह इसका जवाब देंगे।

अश्विनी कुमार का कांग्रेस से इस्तीफा, 46 साल बाद पार्टी से हुए अलग

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को मंगलवार को बड़ा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अश्विनी कुमार ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष को भेज दिया है। अश्विनी कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज सुबह इस्तीफा भेजा और कहा कि वह पार्टी से बाहर रहकर देश के लिए बेहतर तरीके से काम और सेवा कर सकते हैं। बता दें कि अश्विनी कुमार मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कानून मंत्री थे। वह 46 सालों से कांग्रेस के साथ जुड़े हुए थे। उन्होंने अपने त्यागपत्र में कहा, ''मैं 46 सालों के लंबे जुड़ाव के बाद पार्टी से अलग हो रहा हूं और आशा करता हूं कि ऐसे परिवर्तनकारी नेतृत्व से प्रेरित होकर जनता के लिए अतिसक्रियता से काम करता रहूंगा जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दी गई उदारवादी लोकतंत्र की उच्च प्रतिबद्धता की परिकल्पना आधारित हो। उन्होंने अतीत की जिम्मेदारियों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष का आभार प्रकट किया और उनकी अच्छी सेहत की कामना की। वरिष्ठ वकील कुमार मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कानून मंत्री थे। वह 2002 से 2016 तक तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह अतिरिक्त सॉलीशीटर जनरल भी रह चुके हैं। कुमार ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को होने वाले मतदान से कुछ दिनों पहले ही कांग्रेस से इस्तीफा दिया है। इससे पहले, गत 25 जनवरी को पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। अश्विनी कुमार ने अब कांग्रेस छोड़ने वाले उन प्रमुख युवा नेताओं की फेहरिस्त में जुड़ गया है जो कभी कांग्रेस में महत्वपूर्ण भूमिका में माने जाते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है - रीटा माए ब्राउन

संपादकीय

दूसरे दौर का मतदान

कई मायनों में विधानसभा चुनाव का यह चरण सबसे महत्वपूर्ण था। सोमवार को उत्तराखंड और गोवा विधानसभा की सभी सीटों के लिए तो मतदान हुआ ही, साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए दूसरे चरण की 55 सीटों पर भी लोगों ने वोट डाले। उत्तर प्रदेश में अभी मतदान के पांच चरण बाकी हैं, लेकिन उत्तराखंड और गोवा में अगली राज्य सरकारों के लिए लोगों का फैसला ईवीएम में बंद हो गया। सोमवार को जिन 165 सीटों के लिए मतदान हुआ, वे देश के तीन प्रदेशों में तो बंटी हैं ही, उनका भूगोल भी अलग है, भाषाएं भी अलग हैं और स्थानीय समस्याएं भी। लेकिन कुछ चीजें समान हैं, जो इन तीनों को जोड़ती भी हैं। जैसे, तीनों ही जगह इस समय भारतीय जनता पार्टी का शासन है, सभी जगह अपनी सत्ता बचाने के लिए उसे एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। कुछ समस्याएं समान हैं, जिन्हें विपक्ष सभी जगह चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। खासकर महंगाई और बेरोजगारी। सरकार से लोगों की नाराजगी का सारा नैरेटिव इन्हीं के आस-पास बुनने की कोशिश हो रही है। इनमें अगर गोवा को छोड़ दें, तो बाकी जगह भाजपा का ग्राफ दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव, यानी पिछले तीन चुनावों में लगातार ऊपर ही बढ़ा है। इन सभी जगहों पर भाजपा के सामने पुराने आधार को बचाने की चुनौती है, वह भी तब, जब महामारी के लंबे दौर से गुजर चुके देश में बहुत सी चीजें ठीक ढंग से नहीं चल रहीं। इस लिहाज से देखें, तो उत्तराखंड की लड़ाई सबसे रोचक है। राज्य के मतदाता बारी-बारी से कांग्रेस और भाजपा को सत्ता सौंपते रहे हैं। इस बार भी चुनावी स्पर्द्धा मूल रूप से इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच है। उत्तराखंड देश के उन राज्यों में एक है, जहां बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। दूसरी तरफ, वहां के पर्वतीय क्षेत्रों के गांव बड़े पैमाने पर पलायन की समस्या से भी जूझ रहे हैं। सबसे बड़ी बात है पर्यावरण में हो रहा बदलाव, जो पूरे प्रदेश के लिए लगातर खतरा बना हुआ है। बाकी मसलों का तो यदा-कदा जिक्र होता भी है, लेकिन यही एक ऐसा मुद्दा है, जो सभी राजनीतिक दलों की प्राथमिकता सूची से गायब है। गोवा में लड़ाई इस बार बहुकोणीय है। भाजपा, कांग्रेस तो मैदान में हैं ही, आम आदमी पार्टी भी पूरी ताकत के साथ इस बार ताल ठोक रही है, दूसरी तरफ तृणमूल कांग्रेस है, जो पहली बार पश्चिम बंगाल से बाहर बड़े स्तर पर अपना चुनावी भाग्य आजमा रही है। कुछ स्थानीय दल भी हैं। स्पष्ट बहुमत न आ पाने की स्थिति में ये दल हमेशा महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पिछली बार यही हुआ था। भाजपा की दिक्कत यह है कि उसके सबसे लोकप्रिय नेता मनोहर पर्रिकर इस बार नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में जिन 55 सीटों के लिए मतदान हुआ है, उनमें से ज्यादातर पिछली बार भाजपा ने जीती थी, लेकिन इस बार उसे नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। प्रदेश का यह वह इलाका है, जहां अल्पसंख्यकों का वोट सबसे महत्वपूर्ण होता है। सोमवार को तीनों राज्यों में हुए चुनाव में अगर हम उत्तर प्रदेश के पिछले चरण के मतदान को भी जोड़ लें, तो इस बार पहले के मुकाबले चुनावी हिंसा की कम घटनाएं रिपोर्ट हुईं। मतदान में गड़बड़ी के आरोप भी कम सुनाई दिए। इससे हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता और चुनाव आयोग के अच्छे प्रबंधन का पता चलता है।

जैविक खेती में देश में अग्रणी है मध्यप्रदेश

– सुरेश गुप्ता

देश के अन्य प्रदेश आज जब जैविक खेती की दिशा में कार्य शुरू कर रहे हैं तो मध्यप्रदेश की तारीफ करनी होगी जहाँ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह ने वर्ष 2011 में ही जैविक कृषि नीति तैयार कर उस पर अमल शुरू कर दिया था। इसी का परिणाम है कि मध्यप्रदेश को न केवल जैविक कृषि लागू करने वाला देश के पहले प्रदेश बल्कि देश में सर्वाधिक प्रमाणित जैविक कृषि क्षेत्र वाले प्रदेश होने का गौरव भी हासिल है। कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की अपनी विशेषताएँ हैं और यह पिछले डेढ़ दशक में प्रमाणित भी हुआ है। इस अरसे में प्रदेश की कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। खेती-किसानी नुकसान के जाल से बाहर निकली। अन्नदाताओं को उनकी मेहनत का फल वाजिब दामों के रूप में मिला। प्राकृतिक आपदाओं और मानसून की बेरूखी से होने वाले नुकसान के समय में सरकार के किसानों के साथ खड़े होने से प्रदेश का कृषि परिदृश्य लगातार बेहतर हुआ। आर्गेनिक वर्ल्ड रिपोर्ट 2021 के आधार पर वर्ष 2019 में विश्व का 72.3 मिलियन हेक्टयर क्षेत्र जैविक खेती हेतु उपयोग में लिया गया है। इसमें एशिया का 5.1 मिलियन हेक्टयर क्षेत्र भी शामिल है। भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में जैविक खेती में वृद्धि हुई है जिसमें मध्यप्रदेश जैसे राज्यों का विशेष योगदान है। इसका मुख्य कारण अधिक रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों से होने वाला दुष्प्रभाव हैं, जिसने सरकार को इस दिशा में विचार करने के लिए प्रेरित किया। जैविक खेती के अंतर्गत मुख्यतः खाद्यान्न फसलें, दलहन, तिलहन, सब्जियाँ तथा बागान वाली वाली फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। इन सब फसलों में जैविक खेती का बढ़ता प्रचलन मुख्यतः उपभोक्ता की माँग पर आधारित है। उपभोक्ता की माँग मुख्यतः खाद्य उत्पाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। पारम्परिक खेती में बढ़ते रसायनों का उपयोग तथा उनके कुप्रभाव, दूरगामी स्तर पर उपभोक्ता में अविश्वास का कारण बन रहे हैं। जैविक खेती से उत्पन्न खाद्य उत्पादों की विदेशों में बढ़ती माँग भी इसके महत्त्व को प्रदर्शित करती है। मुख्यतः ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा, न्यूजीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात तथा वियतनाम जैसे देशों में निर्यात की संभावनाएँ बनी हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि निर्यात पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के लिये भी भविष्य में जैविक उत्पाद के निर्यात की नई संभावनाएँ बनेंगी। जैविक खेती प्रदेश में जैविक खेती का कुल क्षेत्र लगभग 16 लाख 37 हजार हेक्टेयर है, जो देश में सर्वाधिक है। जैविक उत्पाद का उत्पादन 14 लाख 2 हजार मी.टन रहा, जो क्षेत्रफल की भाँति ही देश में सर्वाधिक है। जैविक खेती को प्रोत्साहन स्वरूप प्रदेश में कुल 17 लाख 31 हजार क्षेत्र हेक्टेयर जैविक प्रमाणिक है, जिसमें से 16 लाख 38 हजार एपीडा से और 93 हजार हेक्टेयर क्षेत्र, पी.जी.एस. से पंजीकृत है। इस तरह पंजीकृत जैविक क्षेत्र के मामले में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। प्रदेश ने पिछले वित्त वर्ष में 2 हजार 683 करोड़ रुपये के मूल्य के 5 लाख मी.टन से अधिक के जैविक उत्पाद निर्यात किये हैं। प्रदेश का जैविक उत्पाद निर्यात लगातार तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में प्रदेश में 5 लाख 41 हेक्टेयर में जैविक फसलों की बोनी की गई। अब भारत सरकार की सहायता से प्रदेश में प्राकृतिक कृषि पद्धति के अंतर्गत क्लस्टर आधारित कार्यक्रम लिया गया है। इस वर्ष प्रदेश में 99 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य है। प्रदेश जैविक खेती की अपार संभावनाओं से पूरित है। यहाँ सभी धान्य फसल, सब्जियाँ, फल, मसाले, सुगंधित एवं औषधीय फसलें न्यूनतम रासायनिक इनपुट के उपयोग से ली जाती हैं। प्रदेश के पास प्राकृतिक चारागाहों, प्राकृतिक उपवनों, सुदूर जनजातीय जिलों में अप्रदूषित कृषि भूमि का बड़ा क्षेत्र और नर्मदा घाटी के उपजाऊ क्षेत्र उपलब्ध है। साथ ही प्रदेश के प्राकृतिक एवं घने वनों में प्रचुर मात्रा में पलाश, रोहिणी, इत्यादि के पुष्प भी उपलब्ध है। प्रदेश में कई जिले, ग्राम, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत क्षेत्र ऐसे हैं, जो राज्य औसत से कम से कम 50 से 60 प्रतिशत कम बाह्य आदान जैसे रासायनिक उर्वरक, कृषि रसायन आदि का उपयोग कर रहे हैं। इस दृष्टि से अधिकांश जनजातीय जिले जैसे मंडला, डिंडौरी, बैतूल, झाबुआ, अलीराजपुर आदि जैविक कृषि विकास के अनुकूल है। गौ-वंश आधारित ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था प्रदेश में प्राकृतिक/जैविक खेती के विस्तार को मिशन मोड में गति देने में मददगार प्रमाणित होने वाली है। जैविक खेती में प्रदेश को देश में अग्रणी बनाने में परम्परागत कृषि विकास योजना का भी योगदान रहा है। योजना में भारत सरकार द्वारा अभी तक 3,728 क्लस्टर अनुमोदित किये गये हैं। इन क्लस्टरों में करीब एक लाख 16 हजार कृषक शामिल है, जो सभी पीजीएस पोर्टल पर पंजीकृत है। पंजीकृत कृषकों के जैविक उत्पादों की स्थानीय स्तर पर तथा जैविक केन्द्र, मंडला और जबलपुर के माध्यम से मार्केटिंग में मदद की जा रही है। प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2008 से अब तक के अरसे में राष्ट्रीय विकास योजना में भी 20 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। प्रमुख रूप से नाडेप एवं बर्मी कम्पोस्ट पिट निर्माण, जैव उर्वरक एवं पोषक तत्व वितरण, जैविक खेती जागरूकता अभियान, नर्मदा नदी के किनारों के सभी जिलों के सभी विकासखण्डों में जैविक खेती कार्यक्रम, जैविक प्रक्षेत्रों की स्थापना, हरी खाद के लिए सहायता, जैव उर्वरकों की निर्माण इकाइयों की स्थापना, नर्मदा किनारे के गाँवों में बायोगैस प्लांट का निर्माण और जैव उर्वरकों के परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं के निर्माण की इन परियोजनाओं से जैविक खेती को प्रदेश में गति मिली है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर प्राकृतिक और जैविक कृषि की विस्तृत कार्य-योजना तैयार की जा रही है। नर्मदा के किनारे के सिंचित परन्तु अधिक रसायन के उपयोग वाले कृषि क्षेत्रों को चिन्हित कर प्रांरभिक तौर पर किसानों के कुल रकबे में से कुछ क्षेत्र में जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने पर काम किया जायेगा। राज्य जैविक खेती विकास परिषद का पंजीयन भी किया गया है। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में जैविक/प्राकृतिक खेती को शामिल करने की योजना है। दोनों कृषि विश्वविद्यालय में कम से कम 25 हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती प्रदर्शन क्षेत्र में बदला जायेगा। कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम को प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों- गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर और राजमाता विजयाराजे कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के पाठ्यक्रम में शामिल करने की तैयारी है। स्नातक उपाधि के चतुर्थ वर्ष के प्रथम सत्र में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम में एक तिहायी विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्राकृतिक कृषि में प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रदेश के दोनों कृषि विश्वविद्यालयों के कृषि फार्म में कम से कम 25 हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक कृषि प्रदर्शन क्षेत्र में बदला जायेगा। पाठ्यक्रम में सस्य विज्ञान, मृदाविज्ञान, पौध संरक्षण, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, पशुपालन, वाटरशेड प्रबंधन तथा विस्तार शिक्षा आधारित विषयों में प्राकृतिक कृषि अध्याय का समावेश किया गया है।

(लेखक जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी हैं।)

समाज सुधारक थे संत रविदास!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

परमात्मा भी जब जब धरा पर पाप बढ़ते है तो भारत मे ही साधारण तन में आकर जगत का कल्याण करते है।अवतरित संतो में एक महान संत हुए है गुरु रविदास जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के निकट सीर गोबर्धनगाँव में हुआ था। इनकी माता कलसा देवी व पिता संतोख दास थे,बहुत ही गरीबी में अपना जीवन यापन करते थे।लेकिन एक सरपंच के रूप में उनकी बहुत ख्याति भी थी।गुरु रविदास का जन्म सन1376-77 के आस पास हुआ था, ऐसा बताते है कुछ लोग सन 1399 में तो कुछ दस्तावेजों के अनुसार संत रविदास ने सन1450 से 1520 के बीच अपना जीवन इस धरा पर बिताया । गुरु रविदास के पिता जूते बनाने व पुराने जुते ठीक करने का काम करते थे। रविदास बचपन में बहुत कुशाग्र व भगवान् को मानने वाले एक अच्छे बालक रहे। उन्हें उच्च कुल वालों के कारण हीन भावना का शिकार होना पड़ता था, गुरु रविदास ने समाज को बदलने के लिए अपनी कलम का सहारा लिया, वे अपनी रचनाओं में अच्छे जीवन के बारे में लोगों को समझाते थे।लोगों को शिक्षा भी देते थे कि व्यक्ति को बिना भेदभाव के सबसे अपने समान प्रेम करना चाहिए। रविदास ने गुरु पंडित शारदा नन्द की पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की। पंडित शारदा नन्द ने रविदास की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें भगवान द्वारा भेजा हुआ एक बच्चा बताया और उन्हें शिक्षा दी। रविदास एक प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे, उनके गुरु जितना उन्हें पढ़ाते थे, उससे ज्यादा वे अपनी समझ से शिक्षा गृहण कर लेते थे।पंडित शारदा नन्द अपने शिष्य रविदास से बहुत खुश रहते थे, उनके आचरण और प्रतिभा को देख वे सोचा करते थे कि रविदास एक दिन उच्चकोटि का आध्यात्मिक गुरु और महान समाज सुधारक बनेगा।उनके गुरु की यह सोच संत रविदास के प्रतिष्ठित होने पर चरितार्थ भी हुई। रविदास के साथ पाठशाला में पंडित शारदा नन्द का बेटा भी पढ़ता था, वे दोनों अच्छे मित्र थे। एक बार वे दोनों छुपन छुपाई का खेल रहे थे,रात हो जाने पर बच्चों ने अगले दिन फिर से खेलना तय किया। दुसरे दिन सुबह रविदास खेलने के लिए आ गए लेकिन उनका गुरुभाई मित्र नहीं आया। तब वे उसके घर गए तो पता चला कि रात को उनके मित्र की मृत्यु हो गई थी। यह पता चलते ही शोक में डूबकर रविदास सुन्न हो गए है, तब उनके गुरु शारदा नन्द उन्हें मृत मित्र के पास ले गए रविदास अपने मृत मित्र से कहते है कि ये सोने का समय नहीं है, उठो और मेरे साथ खेलो।यह सुनते ही उनका मृत मित्र पुनः जीवित होकर खड़ा हो गया। जिससे हर कोई अचंभित हो गया ।रविदास जैसे जैसे बड़े हुए भगवान राम के रूप के प्रति उनकी भक्ति बढ़ती गई। वे हमेशा राम, रघुनाथ, राजाराम चन्द्र, कृष्णा, हरी, गोविन्द आदि शब्दो का उपयोग करते थे,जो उनके धार्मिक होने का प्रमाण है।संत रविदास उस समय की कृष्ण भक्त मीरा बाई के धार्मिक गुरु भी थे। मीरा बाई राजस्थान के राजा की बेटी और चित्तोर की रानी थी। वे रविदास की शिक्षा से बहुत प्रभावित थी और वे रविदास की एक बड़ी अनुयायी बन गई । मीरा बाई ने अपने गुरु के सम्मान में कुछ पक्तियां भी लिखी थी, 'गुरु मिलया रविदास जी..' । मीरा बाई अपने दादा के साथ रविदास से मिलती रहती थी।एक दिन बार संत रविदास अपनी कुटिया में बैठे प्रभु स्मरण के साथ अपना कार्य कर रहे थे, तभी एक ब्राह्मण उनकी कुटिया पर आया और उनसे बोला कि वह गंगा स्नान करने जा रहा है, रास्ते में आपकी कुटिया दिखाई दी तो दर्शन करने चला आया। रविदास ने कहा कि आप गंगा स्नान करने जा रहे हैं, यह एक मुद्रा है, इसे मेरी तरफ से गंगा मैया को दे देना। ब्राह्मण जब गंगा तट पहुंचा और स्नान करके जैसे ही रुपया गंगा में डालने को उद्यत हुआ तो गंगा नदी में से गंगा मैया ने जल में से अपना हाथ निकालकर वह रुपया ब्राह्मण से ले लिया तथा उसके बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन दे दिया।ब्राह्मण जब गंगा मैया का दिया कंगन लेकर लौट रहा था तो वह नगर के राजा से मिलने चला गया। ब्राह्मण को विचार आया कि यदि यह कंगन राजा को दे दिया जाए तो राजा बहुत प्रसन्न होगा। उसने वह कंगन राजा को भेंट कर दिया। राजा ने बहुत-सी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। ब्राह्मण अपने घर चला गया। इधर राजा ने वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में बहुत प्रेम से पहनाया तो महारानी बहुत खुश हुई और राजा से बोली कि कंगन तो बहुत सुंदर है, परंतु यह क्या एक ही कंगन है, क्या आप ऐसा ही एक और कंगन नहीं मंगा सकते? राजा ने अपनी रानी को ऐसा ही एक और कंगन मंगवा कर देने का भरोसा दिया। राजा ने उसी ब्राह्मण को खबर भिजवाई कि जैसा कंगन मुझे भेंट किया था वैसा ही एक और कंगन उन्हें तीन दिन में लाकर दो वरना राजा के दंड भोगना पड़ेगा। यह सुनते ही ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह पछताने लगा कि मैं व्यर्थ ही राजा के पास गया,अब दूसरा कंगन कहां से लाऊं? वह रविदास की कुटिया पर पहुंचा और उन्हें पूरा वृत्तांत बताया कि गंगा ने आपकी दी हुई मुद्रा स्वीकार करके मुझे एक सोने का कंगन दिया था, वह मैंने राजा को भेंट कर दिया था। अब राजा ने मुझसे वैसा ही कंगन मांगा है, यदि तीन दिन में राजा को दूसरा कंगन नहीं दिया तो राजा उन्हें कठोर दंड देगा। यह सुन संत रविदास ने अपनी वह कठौती उठाई जिसमें वे चर्म गलाते थे। उसमें जल भरा हुआ था।उन्होंने गंगा मैया का आह्वान कर अपनी कठौती से जल छिड़का तो गंगा मैया प्रकट हो गई।रविदास के आग्रह पर गंगा ने एक और कंगन ब्राह्मण को दे दिया। ब्राह्मण खुश होकर राजा को वह कंगन भेंट करने चला गया, ऐसे थे महान संत थे गुरु रविदास ।

'मन चंगा तो कठौती में गंगा'

संत रविदास की यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है। इस कहावत के द्वारा संत रविदास मन की पवित्रता पर जोर देते हैं। सन्त रविदास कहते हैं, जिस व्यक्ति का मन पवित्र होता है, उसके बुलाने पर मां गंगा एक कठौती में भी आ जाती हैं।यह बात संत रविदास ने सिद्ध भी की।वही रविदास कहते है,

ब्राह्मण मत पूजिए जो होवे गुणहीन,
पूजिए चरण चंडाल के जो होने गुण प्रवीन।।

आज के कार्टुन

सूर्य पर संयम

आचार्य रजनीश ओशो/ बाहर के सूर्य की भांति मनुष्य के भीतर भी सूर्य छिपा हुआ है, बाहर के चांद की ही भांति मनुष्य के भीतर भी चांद छिपा हुआ है। और पंतजलि का रस इसी में है कि वे अंतर्जगत के आंतरिक व्यक्तित्व का संपूर्ण भूगोल हमें दे देना चाहते हैं। इसलिए जब वे कहते हैं-'भुवन ज्ञानम्? सूर्ये संयमात।' - सूर्य पर संयम संपन्न करने से सौर ज्ञान की उपलब्धि होती है।' तो उनका संकेत उस सूर्य की ओर नहीं हैं,जो बाहर है। उनका मतलब उस सूर्य से है जो हमारे भीतर है। हमारे भीतर का सूर्य प्रजनन-तंत्र की गहनता में छिपा हुआ है। इसीलिए कामवासना में एक प्रकार की ऊष्णता, एक प्रकार की गर्मी होती है। कामवासना का केंद्र सूर्य होता है। इसीलिए तो कामवासना व्यक्ति को इतना ऊष्ण और उत्तेजित कर देती है। जब कोई व्यक्ति कामवासना में उतरता है तो वह उत्तप्त से उत्तप्त होता चला जाता है। जब व्यक्ति कामवासना से थक जाता है तो तुरंत भीतर चंद्र ऊर्जा सक्रिय हो जाती है। जब सूर्य छिप जाता है तब चंद्र का उदय होता है। इसीलिए तो काम-क्रीड़ा के तुरंत बाद व्यक्ति को नींद आने लगती है। सूर्य ऊर्जा का काम समाप्त हो चुका, अब चंद्र ऊर्जा का कार्य प्रारंभ होता है। भीतर की सूर्य ऊर्जा काम-केंद्र है। उस सूर्य ऊर्जा पर संयम केंद्रित करने से, व्यक्ति भीतर के संपूर्ण सौर-तंत्र को जान ले सकता है। काम-केंद्र पर संयम करने से व्यक्ति काम के पार जाने में सक्षम हो जाता है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति भीतर के सूर्य को जान लेता है तो उसके प्रतिबिंब से वह बाहर के सूर्य को भी जान सकता है। सूर्य इस अस्तित्व के सौर-मंडल का काम-केंद्र है। इसी कारण जिसमें भी जीवन है, प्राण है, उसको सूर्य की रोशनी, सूर्य की गर्मी को आवश्यकता है। काम भीतर का सूर्य है, और सूर्य सौर-मंडल का काम-केंद्र है। इस पृथ्वी के लोगों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है, सूर्य-व्यक्ति और चंद्र-व्यक्ति, या हम उन्हें यांग और यिन भी कह सकते हैं। सूर्य पुरुष का गुण है; स्त्री चंद्र का गुण है। सूर्य आक्रामक होता है, सूर्य सकारात्मक है; चंद्र ग्रहणशील होता है, निष्क्रिय होता है। हम अपने शरीर को भी सूर्य और चंद्र में विभक्त कर सकते हैं। योग ने इसे इसी भांति विभक्त किया है। योग म् तो संपूर्ण शरीर को ही विभक्त कर दिया गया है ़ मन का एक हिस्सा पुरुष है, मन का दूसरा हिस्सा स्त्री है। और व्यक्ति को सूर्य से चंद्र की ओर बढ़ना है, और अंत में दोनों के भी पार जाना है, दोनों का अतिक्रमण करना है।

सू-दोकू नवताल -2047

	1	6		3	7	4		
8			4					6
	5	7		6		3		
5						9		4
			9	8	3			
2		9						7
		1		9		6	2	
3					1			9
		2	3	7		5	8	

सू-दोकू -2046 का हल

3	6	9	2	7	1	5	4	8
4	2	8	5	3	9	1	6	7
1	7	5	6	4	8	2	3	9
5	9	7	1	2	3	6	8	4
6	4	3	8	5	7	9	1	2
8	1	2	9	6	4	3	7	5
9	3	1	7	8	2	4	5	6
7	5	4	3	9	6	8	2	1
2	8	6	4	1	5	7	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2047

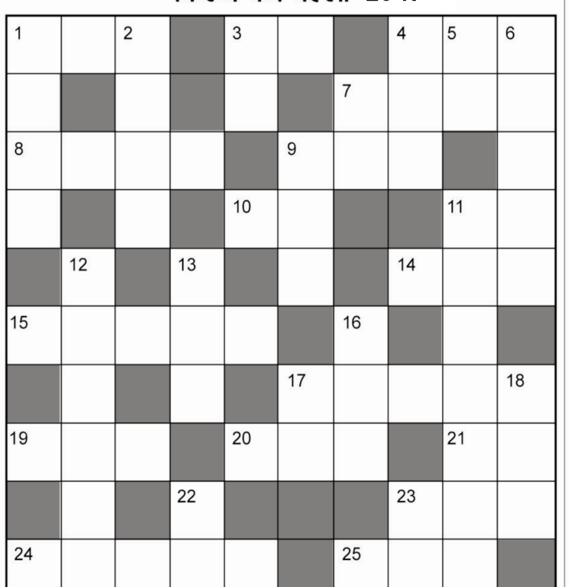

बायें से दायें:-

1. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-3
3. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
4. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
7. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
8. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2,2
9. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-2
11. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-2
14. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-3
15. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-2,2,1
17. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-2,3
19. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-3
20. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-3
21. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2
23. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-3
24. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
25. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-4
2. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-4
3. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
4. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-3
5. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
6. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-5
7. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
9. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-3
11. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-2,2,3
12. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
13. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. राजकुमार, शत्रुघ्रसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
17. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
18. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-3
22. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-2
23. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2046

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	रा	ना		श	बा	ब		सं
	मी	ना		ना	रा	ज		दा	ता
आ	न		का		बी		ना	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

कच्चे पाम तेल पर कृषि उपकर घटने से खाद्य तेलों के दाम काबू में रहेंगे: सरकार

बिजनेस डेस्क।

सरकार ने सोमवार को कहा कि कच्चे पाम तेल पर कृषि-उपकर घटाने के फैसले से घरेलू खाद्य तेल मिलों को मदद मिलेगी और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले तेलों की कीमतें भी काबू में रहेंगी। वित्त मंत्रालय ने गत शनिवार को कृषि अवसंरचना विकास उपकर को 7.5 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की घोषणा की थी। इससे कच्चे पाम तेल के आयात पर प्रभावी शुल्क 8.25 प्रतिशत से घटकर 5.5 प्रतिशत रह गया। इस फैसले के संदर्भ में खाद्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कच्चे पाम तेल पर कृषि उपकर घटाए जाने से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और घरेलू स्तर पर खाद्य तेलों की कीमतों को काबू में रखने में मदद मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने कहा, कृषि उपकर में कटौती होने के बाद कच्चे पाम तेल और रिफाइंड पाम तेल के बीच आयात शुल्क का फासला बढ़कर 8.25 फीसदी हो गया है। यह अंतर बढ़ने से घरेलू रिफाइंड तेल उद्योग कच्चे पाम तेल के आयात से लाभान्वित होगा। इसके साथ ही सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूर्यमुखी तेल पर मूल आयात शुल्क को शून्य फीसदी रखने का निर्णय सितंबर 2022 तक बढ़ाने की भी घोषणा की है।

सेमीकंडक्टर विनिर्माण पहल को उद्योग जगत से मिली शानदार प्रतिक्रिया: वैष्णव

मुंबई।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से की गई पहल को उद्योग जगत से मिली 'शानदार' प्रतिक्रिया का मंगलवार को स्वागत किया। वैष्णव ने आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम के रणनीतिक समीक्षा संवाददाता सम्मेलन में उद्योग जगत से अपनी कोशिशें और बढ़ाने का आह्वान भी किया। वैष्णव ने कहा, ''मुझे बेहद खुशी है कि बहुत कम समय में सेमीकंडक्टर विनिर्माण से जुड़े भागीदारों से शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिली है।'' वैष्णव का सेमीकंडक्टर अभियान को शानदार प्रतिक्रिया मिलने का यह बयान वेदांता का फॉक्सकॉन के साथ सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए हुए करार के एक दिन बाद आया है। इसके पहले टाटा समूह भी सेमीकंडक्टर विनिर्माण में उतरने को लेकर दिलचस्पी दिखा चुका है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत 15 दिसंबर, 2021 को घरेलू स्तर पर सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 76,000 करोड़ रुपये लागत वाली योजना को मंजूरी दी थी। इससे सेमीकंडक्टर की किल्लत को दूर करने और देश में इसका उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर चिप के डिजाइन एवं विनिर्माण दोनों ही क्षेत्रों में उद्योग जगत ने खासा उत्साह दिखाया है। उन्होंने कहा कि इससे देश में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, ''ये सभी रोजगार के नए अवसर होंगे। उद्योग जगत से मेरा अनुरोध है कि वह अपनी कोशिशों को और तेज करें।

उन्होंने कहा कि सरकार को इस नए विनिर्माण क्षेत्र में उद्योग जगत से मिलने वाले सुझावों का इंतजार है।

छोटे शहरों में विस्तार के लिए बिना 'रुकावट' वाले ब्रॉडबैंड, बिजली की जरूरत: आईटी उद्योग

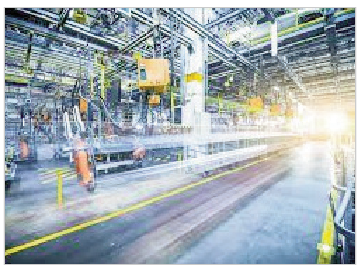

मुंबई ।

घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी) ने छोटे शहरों में कारोबार के विस्तार के लिए सरकार से बिना किसी रुकावट के बिजली आपूर्ति और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की मांग की है। उद्योग निकाय नैसकॉम ने मंगलवार को कहा कि विस्तार के लिए बुनियादी ढांचे के साथ पर्याप्त कौशल वाले लोगों की उपस्थिति, बच्चों के लिए काम सीखने का एक विश्वस्तरीय स्थान और छोटे शहरों के लिए पर्याप्त नौकरी के अवसर भी आवश्यक हैं। नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) ने कहा कि सरकार चाहती है कि आईटी क्षेत्र व्यापक आधार पर आर्थिक वृद्धि के लिए छोटे शहरों में विकसित हो। वही आईटी क्षेत्र कर्मचारियों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है और इसे कार्यबल को बनाए रखने के तरीकों में से एक के रूप में देख रहा है। नैसकॉम की अध्यक्ष देबजानी घोष ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''जब मैं बुनियादी ढांचे के बारे में बात करती हूं, तो इसमें केवल ब्रॉडबैंड ही नहीं है, बल्कि बिजली कनेक्टिविटी आदि जैसे पहलू भी शामिल हैं। कुछ चीजें हैं जिनमे सुधार किया जाना है और इसके लिए हम सरकार से बात कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में नियुक्ति हमारी विकास रणनीति का हिस्सा बन रही है। यह उद्योग के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो 2026 तक आईटी क्षेत्र की कुल आय को 350 अरब डॉलर

महंगाई बढ़ने के बावजूद अगस्त तक नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं: यूबीएस

मुंबई ।

स्विट्जरलैंड की ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस का मानना है कि जनवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.01 प्रतिशत होने और अप्रैल तक इसके इसी स्तर पर रहने की आशंका के बावजूद अगली मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं दिख रही है। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने मंगलवार को कहा कि मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े काफी हद तक अनुमान के अनुरूप ही हैं और इसके पीछे प्रतिकूल आधार प्रभाव और आपूर्ति संबंधी पहलू हैं। उन्होंने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने और इसके अप्रैल तक छह

फीसदी के आसपास ही रहने के पूर्वानुमान के बावजूद रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति वर्ष 2022 की पहली छमाही में नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने से परहेज करेगी। सोमवार को घोषित खुदरा मुद्रास्फीति आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में यह 6.01 प्रतिशत हो गई है। वहीं थोक मुद्रास्फीति दर दहाई अंक में 12.96 प्रतिशत रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल की दूसरी तिमाही में मौद्रिक नीति समिति अगस्त में ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला ले सकती है।

संक्षिप्त समाचार

रूस-यूक्रेन तनाव के बीच सोना हुआ 50 हजारी, चांदी का दाम आसमान पर

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव का असर शेयर बाजार के साथ-साथ कमोडिटी मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोने के दाम में जबरदस्त इजाफा हुआ और ये एक बार फिर से 50 हजारी हो गया। सोने की कीमत 74 फीसदी की उछाल के साथ 50,284 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचं गई। वहीं दूसरी ओर चांदी के दाम भी आसमान पर पहुंच गए हैं। चांदी कीमत 0.46 फीसदी टूटकर 64,531 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं उसी नंबर पर आपके मैसेज आ जाएगा। इस तरह आप घर बैठे सोने के लेटेस्ट रेट जान लेंगे

इरेडा का 2021-22 में 2,749 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने चालू वित्त वर्ष में 2,749 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य रखा है। मंगलवार के जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इरेडा ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सालाना प्रदर्शन का लक्ष्य तय किया है। समझौता ज्ञापन पर एमएनआई सचिव इंदु शेखर चतुर्वेदी और इरेडा के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने मंगलवार को हस्ताक्षर किए। बयान के अनुसार, सरकार ने 'एक्सिलेंट' रेटिंग के साथ विभिन्न मानदंडों के आधार पर परिचालन से 2,749 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य रखा है। इन मानदंडों में नेटवर्थ पर रिटर्न, कुल कर्ज में फंसा ऋण (एनपीए), प्रति शेयर कमाई आदि शामिल हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में इरेडा को एक्सिलेंट रेटिंग के साथ 96.93 अंक मिले थे। कंपनी ने अबतक 2,900 से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण किया है। उसने अबतक 1,08,606 करोड़ रुपए के ऋण की मंजूरी दी है जबकि 69,951 करोड़ रुपए वितरित किए हैं।

स्पाइसजेट को दिसंबर तिमाही में 42.45 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली । विमानन कंपनी स्पाइसजेट को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर, 2021 में समाप्त तिमाही में 42.45 करोड़ रुपए का एकीकृत लाभ हुआ है। यात्रियों की संख्या बढ़ने तथा लॉजिस्टिक्स खंड के बेहतर प्रदर्शन की वजह से कंपनी घाटे से उबर पाई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एयरलाइन कंपनी को 66.78 करोड़ रुपए का एकीकृत घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 267.73 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 187.06 करोड़ रुपए थी। एकल आधार पर एयरलाइन को तिमाही में 23.28 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी को एकल आधार पर 56.96 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, हमें इस बात की खुशी है कि तीसरी तिमाही में हम फिर लाभ की स्थिति में पहुंच गए। यात्रियों की संख्या में सुधार और लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन की वजह से हम मुनाफा दर्ज यात्रियों की संख्या में सुधार और लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन की वजह से हम मुनाफा दर्ज करने में सफल रहे हैं।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने दान किए 5.7 अरब डॉलर के शेयर

बिजनेस डेस्क। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने पिछले साल नवंबर में अपनी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के कुल 5,044,000 शेयर दान किए। मस्क ने 19 से 29 नवंबर के बीच यह दान दिया। टेस्ला दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी है और उस समय कंपनी के शेयरों के भाव के हिसाब से यह राशि 5.74 अरब डॉलर बैठती है। रॉयटर्स के मुताबिक टेस्ला ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को यह जानकारी दी है। हालांकि इसमें यह खुलासा नहीं किया गया है कि मस्क ने किस संस्था को यह दान दिया है। उन्होंने पिछले साल के अंत में 16.4 अरब डॉलर के शेयर बेचे थे। इसके लिए उन्होंने ट्विटर पर एक पोल भी कराया था और अपने फॉलोअर्स से पूछा था कि उन्हें टेस्ला में 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचनी चाहिए या नहीं। उन्होंने साथ ही कहा था कि इस पोल का नतीजा जो भी रहे, उन्हें शेयर बेचने ही हैं । मस्क ने पिछले साल कहा था कि उन्हें 2021 में 11 अरब डॉलर से अधिक टैक्स देना है। जानकारों का कहना है कि अगर मस्क टेस्ला के शेयर गिफ्ट करते हैं तो उन्हें टैक्स में इसका फायदा मिल सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चैरिटी संस्थाओं को दिए गए दान पर कैपिटल गेन्स टैक्स नहीं लगता है। मस्क ने 2001 में मस्क फाउंडेशन की स्थापना की थी जिसके पास 20 करोड़ डॉलर से अधिक की एसेट्स है।

दिमाग को तेज और व्यस्त रखती हैं माइंड गेम्स

नई दिल्ली ।

कोविड महामारी ने बहुत से लोगों के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है जो खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। हम इस समय तीसरी लहर ओमिक्रॉन के बीच में हैं। महामारी के दौरान लोगों ने नए खेल देखे हैं। गत 2 वर्षों से मैं भी न्यूयार्क टाइम्स की क्रॉसवर्ड पकाल, मिनी क्रॉसवर्ड, सुडोकू, लैटरबॉक्स्ड आदि से जुड़ी रही। यह सभी दिमागी खेल हैं तथा जब गतिविधियां रुकी हुई हों तो ये आपके दिमाग को तीक्ष्ण बनाते हैं। हाल ही में इंटरनैट जगत शब्द खेल 'वर्डल' को लेकर वायरल हो गया जो वरिष्ठ नागरिकों तथा अधिकांश युवाओं में जंगल की आग की तरह फैल रहा है। सामान्य खेल केवल एक शब्द को लेकर है जिसमें एक दिन में 6 प्रयास, 6 स्क्वायर हैं। और यदि आपने वर्डल के बारे में अभी नहीं सुना है तो शीघ्र ही सुन लेंगे। यह खेल इतना अधिक लोकप्रिय हो गया है कि न्यूयार्क टाइ स ने गत सप्ताह इसे एक अनिश्चित रकम (सात अंकों में) खरीद लिया। इसे लेने से समाचार पत्र को अपनी डिजिटल विषय वस्तु को और व्यापक बनाने में मदद मिलेगी क्योंकि इसने 2025 तक एक करोड़ सब्स्क्राइबर जोडऩे का लक्ष्य रखा है।

समाचार पत्र के अनुसार जहां 1 नव बर को 90 लोगों ने गेम खेली, वहीं 2 जनवरी, 2022 को 3 लाख से अधिक ने यह गेम खेली। वर्डल महामारी की एक उल्लेखनीय कहानी है। यह एक प्रेम कहानी भी है क्योंकि इस गेम के संस्थापक जोश वार्डल, जो ब्रूकलिन में एक इंजीनियर हैं, ने इसे अपनी पार्टनर पलक शाह (यहां पर भारतीय संबंध आता है) के लिए तैयार किया था। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में खुलासा किया कि इस गेम को बनाने का उद्देश्य यह था कि मेरी पार्टनर इसे खेलते हुए मजा उठाए। इस गेम को बनाने का उद्देश्य यह था कि मेरी पार्टनर इसे खेलते हुए मजा उठाए। फिर उन्होंने इसे अपने परिवार के साथ सांझा किया तथा परिवार बढ़ता गया। शीघ्र ही इसमें नेटिजन्स यानी इंटरनैट का इस्तेमाल करने वालों को आर्ज़षित किया गया और आज यह एक क्रेज है।

उनका कहना है कि यह गेम उनके अनुमान से कहीं अधिक बड़ी हो गई है।

जनवरी में निर्यात 25.28 प्रतिशत बढ़कर 34.5 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा 17.43 अरब डॉलर हुआ

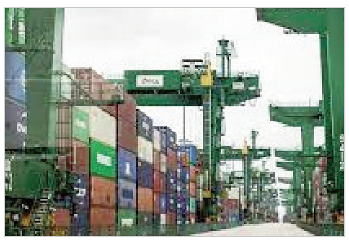

नयी दिल्ली ।

इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश का निर्यात जनवरी, 2021 में 25.28 प्रतिशत बढ़कर 34.50 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, हालांकि निर्यात और आयात के बीच अंतर यानी व्यापार घाटा जनवरी में बढ़कर 17.43 अरब डॉलर पहुंच गया। आलोच्य महीने में आयात 23.54 प्रतिशत बढ़कर 51.93 अरब डॉलर रहा। पिछले साल जनवरी में व्यापार घाटा 14.49 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, कुल मिलाकर निर्यात चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 माह (अप्रैल-फरवरी) के दौरान 46.73 प्रतिशत बढ़कर 335.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 228.92 अरब डॉलर था। आलोच्य अवधि में आयात 62.65 प्रतिशत बढ़कर 495.75 अरब डॉलर रहा। वहीं व्यापार घाटा 159.87 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 75.87 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, सोने का आयात जनवरी, 2022 में 40.52 प्रतिशत घटकर 2.4 अरब डॉलर रहा। कच्चे तेल का आयात 26.9 प्रतिशत बढ़कर 11.96 अरब डॉलर रहा। इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषण निर्यात आलोच्य महीने में क्रमश 24.11 प्रतिशत, 95.23 प्रतिशत और 13.64 प्रतिशत बढ़ा। मूल्य के हिसाब से यह क्रमश 9.2 अरब डॉलर, 4.17 अरब डॉलर तथा 3.23 अरब डॉलर रहा। हालांकि, औषधि निर्यात 1.15 प्रतिशत घटकर 2.05 अरब डॉलर रहा। निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि जनवरी में आयात 23.54 प्रतिशत बढ़कर 51.93 अरब डॉलर रहा। यह चिंता का विषय है और इसका विश्लेषण करने की जरूरत है। फियो के उपाध्यक्ष खालिद खान ने कहा कि वृद्धि के मौजूदा स्तर को देखते हुए देश का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 400 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार कर जाएगा। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 26.91 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 54.95 प्रतिशत अधिक है। आयात 60.32 प्रतिशत बढ़कर 15.83 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान सेवा निर्यात का मूल्य 25.31 प्रतिशत बढ़कर 209.83 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में इसी अवधि में यह 167.45 अरब डॉलर था।

हीरानंदानी ग्रुप 1,000 करोड़ रु. के निवेश के साथ प्रौद्योगिकी आधारित उपभोक्ता सेवा क्षेत्र में उतरी

नयी दिल्ली । रियल्टी कंपनी हीरानंदानी ग्रुप ने 1,000 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश के साथ प्रौद्योगिकी आधारित उपभोक्ता सेवा कारोबार क्षेत्र में कदम रखा है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसका नया उद्यम 'तेज प्लेटफॉर्म्स' सोशल मीडिया मंचों, मनोरंजन, गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स, ई-कॉमर्स, व्यक्तिगत गतिशीलता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन लिंक्ड समाधानों के क्षेत्र में अवसरों पर ध्यान केंद्रित करेगा। हीरानंदानी ग्रुप पहले से ही योट्टा इंफ्रास्ट्रक्टर के नाम से डेटा केंद्रों, क्लाउड कंप्यूटिंग और उपक्रम प्रौद्योगिकी की पेशकश के क्षेत्र में कदम रख चुकी है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दर्शन हीरानंदानी ने कहा, ''हम प्रौद्योगिकी आधारित, नए जमाने की सेवाओं पर अपना ध्यान बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि तेज प्लेटफॉर्म्स के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में 250 कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना है। तेज प्लेटफॉर्म्स का इस साल शुरुआती खर्च लगभग 1,000 करोड़ रुपये होगा और अगले दो से तीन वर्षों में यह लगभग 3,500 करोड़ रुपये होगा।

आईडीबीआई बैंक को अतिरिक्त पूंजी एलआईसी पर प्रतिकूल असर डाल सकती है : दस्तावेज

नयी दिल्ली।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा अपने सहायक कंपनी आईडीबीआई बैंक में किसी भी तरह का अतिरिक्त निवेश बीमा क्षेत्र की कंपनी की वित्तीय हालत पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। हाल ही में दाखिल आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेजों से यह जानकारी निकलकर आई है । सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने 23 अक्टूबर, 2019 को पॉलिसीधारकों के कोष का उपयोग करके आईडीबीआई बैंक में 4,743 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वही बैंक ने 19 दिसंबर, 2020 को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 1,435.1 करोड़ रुपये जुटाए थे। दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, कुछ शर्तों के अनुपालन के बाद आईडीबीआई बैंक 10 मार्च, 2021 से त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे से बाहर आया था। एलआईसी के दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, ''वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों को देखते हुए हमारा मानना है कि आईडीबीआई बैंक को इस समय और पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं है।'' बीमा कंपनी ने दस्तावेजों में कहा अगर आईडीबीआई बैंक को लागू पांच साल की अवधि की समाप्ति से पहले अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होती है और यह पूंजी जुटाने में असमर्थ रहता है, तो हमें आईडीबीआई बैंक में अतिरिक्त धनराशि डालने की आवश्यकता होगी। इसका हालांकि हमारी वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणाम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वही आईडीबीआई बैंक को मिली पांच साल की अवधि नवंबर, 2023 में समाप्त हो जाएगी। एलआईसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो नवंबर, 2018 को आईडीबीआई बैंक में अतिरिक्त इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण करने के लिए मंजूरी पत्र दिया था। दो नवंबर, 2018 को दो नवंबर, 2018 को आईडीबीआई बैंक में अतिरिक्त इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण करने के लिए मंजूरी पत्र दिया था।

मैकलियोड ने 5,000 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। मैकलियोड फार्मास्युटिकल्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 5,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मसौदे के अनुसार, कंपनी के आईपीओ में प्रवर्तकों द्वारा 6.05 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। मसौदे के अनुसार, आईपीओ में कंपनी के कर्मचारियों के लिए भी एक हिस्सा आरक्षित किया जाएगा। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि मैकलियोड्स फार्मास्युटिकल्स के आईपीओ का आकार 5,000 करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है। मैकलियोड फार्मास्युटिकल्स स्वास्थ्य से संबंधित कई क्षेत्रों में नियमन की एक विस्तृत श्रृंखला के विकास, निर्माण और विपणन का काम करती है। इसमें एंटी-संक्रामक, हृदय तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी, मधुमेह, त्वचा रोग और हार्मोन का उपचार शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को श्रीलंका के आगामी भारत दौरे के पुनर्निर्धारित होने की घोषणा की। बीसीसीआई के मुताबिक दोनों टीमें अब पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगी और उसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 का हिस्सा है। लखनऊ 24 फरवरी को पहले टी-20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि शेष दो टी-20 मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला में खेले जाएंगे। इसी तरह पहला टेस्ट मैच अब 4 से 8 मार्च तक मोहाली, जबकि दूसरा मैच 12 से 16 मार्च तक बेंगलुरु में खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि मूल शेड्यूल के मुताबिक श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच खेलने थे जो क्रमशः 25 फरवरी से एक मार्च तक बेंगलुरु और पांच मार्च से 9 मार्च तक मोहाली में होने थे। वहीं तीन मैचों की टी-20 सीरीज मोहाली में 13 मार्च से शुरू होनी थी। दूसरा मैच 15 तारीख को धर्मशाला और तीसरा 18 मार्च को लखनऊ में खेला जाना था।

राष्ट्रमंडल खेल 2022

राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिए मीराबाई ने बढ़ाया वजन, इस नई कैटागिरी में खेलेंगी

नई दिल्ली । ओलिम्पिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले राष्ट्रमंडल खेलों में 55 किग्रा भार वर्ग में उतरेंगी। हालांकि चानू ने 49 किग्रा भार वर्ग में पिछले साल टोक्यो ओलिम्पिक खेलों का रजत पदक जीता था। उनके नाम पर क्लीन एवं जर्क में विश्व रिकार्ड भी है। 48 किग्रा वर्ग में भी वह विश्व चैम्पियनशिप 2017 का गोल्ड जीत चुकी हैं। उन्हें 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में इसी भार वर्ग में क्रमशः रजत और स्वर्ण पदक मिला था। लेकिन अब वह 55 किग्रा वर्ग में उतरेंगी। नए फैसले पर मुख्य कोच विजय शर्मा और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ को लगता है कि 27 वर्षीय चानू के पास 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में हमवतन सोरोखैबाम बिंद्यारानी देवी की तुलना में 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने का बेहतर मौका रहेगा। विंद्यारानी ने पिछले दिसंबर में राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। चानू ने कहा कि हमारी (कोच और महासंघ) बैठक हुई और हमने चर्चा की कि भारत को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में महिलाओं के प्रत्येक भार वर्ग में पदक हासिल करना चाहिए। मीराबाई ने कहा कि हमारे पास 4 से 5 स्वर्ण पदक जीतने का मौका रहेगा और इसलिए हमने फैसला किया कि मैं 55 किग्रा भार वर्ग में भाग लूंगी, ताकि हम इस भार वर्ग में एक स्वर्ण पदक जीत सकें। भारत के लिए 49 किग्रा वर्ग में झिली डालबेहरा उतरेंगी। उन्होंने राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था।

चानू का 49 किग्रा में स्वर्ण पदक जीतना तय माना जा रहा था लेकिन 55 किग्रा में सोने का तमगा जीतने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने फैसले पर मीराबाई ने कहा- मैं अपना वजन 50 से 51 किग्रा तक ही रखूंगी जो कि मेरा सामान्य वजन है।

ऑक्शन पर बोले रोहित शर्मा- मेरा ध्या आईपीएल पर नहीं, टीम इंडिया पर है

कोलकाता । ईशान किशन या श्रेयस अय्यर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीमों में विशेष भूमिका निभाने के लिये मोटी रकम देकर खरीदा गया लेकिन इस पर तब गौर नहीं किया जाएगा जब कप्तान रोहित शर्मा इस साल आस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखकर भारतीय टी20 टीम के बारे में फैसला करेंगे। भारत के वर्तमान कप्तान को 2011 में इसी तरह से मुंबई इंडियंस ने मोटी रकम में खरीदा था और वह जानते हैं कि किशन (15.25 करोड़ रुपए) और श्रेयस अय्यर (12.25 करोड़ रुपए) भी नीलामी के दौरान भावनाओं के ज्वार से गुजरे होंगे। रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच पर कहा कि सभी जानते हैं उन पर भावनाएं हावी रही होंगी। अब नीलामी समाप्त हो चुकी है और ध्यान राष्ट्रीय टीम पर है तथा टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को इस बारे में स्पष्ट रूप से बता दिया है। रोहित ने कहा कि कल हमारी प्रत्येक खिलाड़ी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई और हमने उनसे 'नीले रंग (भारतीय टीम की जर्सी का रंग) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जो कि बेहद महत्वपूर्ण है। जो हो गया वह अतीत की बात है, वे जिन टीमों से खेलेंगे वह भविष्य की बात है। उन्होंने कहा कि अभी अगले दो सप्ताह तक ध्यान भारत की तरफ से खेलने पर रहे सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। कुछ मायने नहीं रखता है। मुंबई के लिए पारी का करते हैं जबकि वेंकटेश केकेआर के लिए यही निभाते हैं जबकि श्रेयस अपनी फ्रेंचाइजी के लिए ती चौथे नंबर पर बल्लेबाजी क इन बल्लेबाजी क्रम से राष्ट्री का बल्लेबाजी क्रम तय नहीं उन्होंने कहा कि ईमानदारी तो यहां पर आईपीएल की पर विचार नहीं किया जाएग इस पर गौर नहीं करेंगे आईपीएल में किस स्था खेलने जा रहे हैं। भारतीय लिये वे किस स्थान पर खेल रहे हैं यह मायने रखता है।

जी ट्रॉफी को लेकर बीसीसीआई ने जारी ए नए नियम, गेंदबाज नहीं कर पाएंगे चीज का इस्तेमाल

नई दिल्ली । रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में गेंदबाज इस बार गेंदबाजी हाथ पर टेप लगा कर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से इस संबंध में नया म बनाया है। बीसीसीआई के इस नए नियम के मुताबिक गेंदबाज को ी भी कारण से उस हाथ पर टेप लगाने की अनुमति नहीं होगी, से वह गेंदबाजी करता है। गेंदबाज को गेंदबाजी करने के लिए अपने जी हाथ से सभी प्रकार की टेप को हटाना होगा। इसमें कोई छूट दी जाएगी। वहीं अगर उसके हाथ पर कोई प्लास्टर लगा है तो वह न या उसके जैसे रंग का होना चाहिए या ऐसा होना चाहिए जो बाज को परेशान न करे। बीसीसीआई ने इसके अलावा इंजरी ब्रेक समय सीमा भी चार मिनट तक सीमित कर दी है। इस संबंध में नया म कहता है कि अगर कोई भी खिलाड़ी मैदान पर गंभीर रूप से ल हो जाता है या किसी भी तरह की चोट लगती है और उसे कत्सा की आवश्यकता होती है तो उस खिलाड़ी को चोट से उबरने मैच में भाग लेने के लिए तैयार होने के लिए अधिकतम चार मिनट समय दिया जाएगा। अगर उसे इससे ज्यादा समय चाहिए तो उसे न छोड़ना होगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में कप्तान मिताली राज जलवा बरकरार, पहुंची इस स्थान पर

दुबई । भारतीय कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि भारत के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की बल्लेबाज ऐमी सेटरथवेट तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। क्वीन्सटाउन में पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में भारत की 62 रन की हार के दौरान मिताली ने 73 गेंद में 59 रन बनाए। ऐमी ने 67 गेंद में 63 रन की पारी खेली और सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। उन्हें 13 रेटिंग अंक का फायदा हुआ जिससे उन्होंने आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पछाड़ा। आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली 749 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही हैं जबकि मिताली के 744 अंक हैं। ऐमी के मिताली से 15 अंक कम हैं। बेट्स के 11वें एकदिवसीय शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई । इस प्रदर्शन से वह छह महीने में पहली बार शीर्ष 20 बल्लेबाजों में शामिल हो गई हैं। साप्ताहिक अपडेट में बेट्स पांच स्थान की छलांग के साथ 17वें पायदान पर हैं। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया ने अपनी एशेज खिताबी जीत को आगे बढ़ाते हुए पिछले हफ्ते मेलबर्न में अंतिम वनडे में आसान जीत दर्ज की। इंग्लैंड के लिए अर्धशतक जड़ने वाली टैमी ब्युमोंट और मेग लेनिंग तीन-तीन स्थान के फायदे के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दोनों के बीच सिर्फ एक रेटिंग अंक का अंतर है। गेंदबाजी सूची में इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन एक स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम वनडे में 18 रन देकर एक विकेट चटकाया। उनके पास वनडे और टी20 दोनों गेंदबाजी रैंकिंग में एक ही समय में नंबर एक गेंदबाज बनने का मौका है। एलिस पैरी को अपने आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने ऑलराउंडर की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद नैट स्किवर पर

87 अंक की बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड की लिया ताहुहु चार स्थान के फायदे से 13वें जबकि भारत की राजेश्वरी गायकवाड़ पाचं स्थान आगे बढ़कर 16वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बेथ मूनी ने तीसरी बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर जगह बनाई। उनकी कप्तान मेग लेनिंग एक स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर हैं। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रो लीग से अपने खेल को निखारने में मदद मिलेगी : शोपमैन

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच य शोपमैन ने मंगलवार को कहा कि प्रो लीग से इस साल होने प्रमुख टूर्नामेंटों से पहले टीम को अपना खेल निखारने में मिलेगी। भारतीय टीम का इस साल का कार्यक्रम काफी व्यस्त उसे इस वर्ष विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेना है। शोपमैन ने कहा कि मैं चाह कि हमारी टीम विश्व कप या एशियाई खेल जैसी प्रतियोगित अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। शोपमैन बोले- खिलाडि़यों को उस का अनुभव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोविड के कारण ह खिलाडि़यों को पिछले दो-ढाई वर्ष में वास्तविक मैच खेलकर स्तर का बहुत अधिक अनुभव नहीं मिला। इसलिए प्रो लीग व मायने रखता है। इससे पता चलेगा कि खिलाड़ी किस तरह से खेल का स्तर बढ़ाते हैं और हमारी रणनीतियों पर कैसे अमल हैं। शोपमैन ने कहा कि आप हमारी टीम में कुछ बदलाव भी लेकिन ऐसा नहीं है कि में 10-15 नई खिलाडि़यों को मौका दे रही हूं। पिछले महीने एशियाई हॉकी कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं के बावजूद शोपमैन अपनी टीम की प्रगति से संतुष्ट हैं। भारत ए कप में तीसरे स्थान पर रहा लेकिन प्रो लीग में उसने चीन को से हराकर शानदार शुरुआत की। शोपमैन ने कहा कि लड़कि वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। निश्चित रूप से हमें स्कोर को हुए अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, लेकिन मैं वास्तव में प्रो लीग के टूर्नामेंट के दौरान टीम की प्रगति को देखकर काफी खुश हूं।

वर्तमान फॉर्म को देखते हुए टीम में फि नहीं बैठते थे रैना : सीएसके सीईओ

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ क विश्वनाथन ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने लंबे समय से उनकी की तरफ से खेलने वाले सुरेश रैना की वर्तमान फॉर्म को देख इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में नहीं खरीदा। को नजरंदाज किये जाने पर सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसक नाराजगी व्यक्त की लेकिन विश्वनाथन ने कहा कि टीम संयोजन फॉर्म को देखते हुए बायें हाथ का यह बल्लेबाज टीम में फिट नहीं रहा था। उन्होंने पीटीआई से कहा, ''रैना अतीत में हमारे लिये महत्वपूर्ण खिलाड़ी था लेकिन वर्तमान फॉर्म को ध्यान में रखते वह टीम में फिट नहीं बैठते थे।'' रैना आईपीएल के सुपरस्टार जिसमें उन्होंने 205 मैचों में एक शतक और 39 अर्धशतक मदद से 5528 रन बनाये। नीलामी में किसी भी टीम ने उन्हें खरीदा। उन्होंने अपना आधार मूल्य दो करोड़ रुपये तय किया सीएसके के एक अन्य पुराने खिलाड़ी फाफ डु प्लेसी को र चैलेंजर्स बेंगलोर ने खरीदा। विश्वनाथन ने इस बारे में कहा, ' फाफ की कमी खलेगी जो एक दशक से हमारे साथ था ले नीलामी में ऐसा होता है।'' दीपक चाहर को 14 करोड़ रुप खरीदने के बारे में सीएसके के सीईओ ने कहा, ''हम जानते है दीपक चाहर मैच विजेता है। उसने हमारी तरफ से बहुत अ प्रदर्शन किया है इसलिए हमने दीपक को खरीदने को प्राथमिक रखा और हम उसे लेने में सफल रहे।''

मंधाना का पृथकवास पूरा, वनडे श्रृंखल के बाकी मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगी

क्राइस्टचर्च । स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को अपना विस्तृत पृथकवास पूरा किया और न्यूजीलैंड के खि एकदिवसीय श्रृंखला के बाकी बचे मुकाबलों में भारतीय म क्रिकेट टीम से जुड़ने के लिए क्वीन्सटाउन रवाना हो गई। मं न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में नहीं खेल पाई क्योंकि वह दो खिलाड़ियों मेघना सिंह और रेणुका सिंह के साथ विस्तृत पृथक में थी। मेघना और रेणुका दोनों तेज गेंदबाज हैं। रेणुका पहल पृथकवास से बाहर आ चुकी थी जबकि मेघना का पृथकवास मंगलवार को पूरा हुआ। मंधाना और मेघना हालांकि शायद शुक्र को होने वाले तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के लिए फिटनेस आधार पर उपलब्ध नहीं हो पाएंगी क्योंकि वे लंबे समय पृथकवास पर हैं।

रा खेल सामान्य है, आक्रामक बल्लेबाजी करो और फिर एक रन लोः रिचा घोष

क्वीन्सटाउन । न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की हार के दौरान रन की तेजतर्रार पारी खेलने ी युवा विकेटकीपर बल्लेबाज चा घोष ने कहा कि वह क्रामक खेल खेलने और स्कोर ई को आगे बढ़ाते रहने को थमिकता देती हैं। इस 18 वर्षीय 64 गेंद में छह चौकों और एक की मदद से 65 रन की पारी ली जिससे भारत छह विकेट 270 रन बनाने में सफल रहा। ान मिताली राज ने भी नाबाद रन बनाए लेकिन न्यूजीलैंड ने ओवर शेष रहते तीन विकेट से जीत दर्ज की। रिचा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'जब मैं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रही थी तो मेरी भूमिका बदली नहीं थी। मुझे साझेदारी बनानी थी और टीम की जरूरत के अनुसार आक्रमण करना था तथा मैंने ऐसा ही किया। मेरा खेल सामान्य था, आक्रमण करो और एक रन लो तथा खेलना जारी रखो। उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं 20 रन (22 रन) के आसपास बनाकर आउट हो गई, मेरी मानसिकता यही है कि टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे करूं और टीम को अच्छे स्कोर तक कैसे ले जाऊं। भारतीय पारी का आकर्षण मिताली और रिचा के बीच पांचवें विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी रही। रिचा ने कहा कि उन्होंने सलामी बल्लेबाजों साभिनेनि मेघना (49) और शेफाली वर्मा (24) के अच्छे काम को आगे बढ़ाया जिन्होंने 11.1 ओवर में 61 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। रिचा ने कहा, ''विकेट अच्छा था और हमें अच्छी शुरुआत मिली तथा मैंने इसे आगे बढ़ाने के बारे में सोचा। विकेट गिरने के बाद मेरी मानसिकता साझेदारी करने की थी, हमने एक लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जो हम अंततः हासिल करने में सफल रहे। बंगाल की इस खिलाड़ी ने कहा कि टी20 विश्व कप के बाद उन्होंने अपने विकेटकीपिंग कौशल पर अधिक ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने कहा, 'पहले मैं एक विकेटकीपर के रूप में अपने विकेटकीपिंग कौशल पर अधिक ध्यान नहीं देती थी लेकिन टी20 विश्व कप के बाद मैंने अपनी विकेटकीपिंग पर बल्लेबाजी से अधिक ध्यान दिया। रिचा ने कहा, 'मैं अपने क्षेत्ररक्षण कोच जॉय सर के साथ काम करती हूं, फिर विकेटकीपिंग करती हूं और फिर बल्लेबाजी। इसके बाद फिर विकेटकीपिंग करती हूं और फिर हम बात करते हैं कि मैं कैसे सुधार कर सकती हूं।

रिचा ने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और महिला बिग बैश लीग में प्रदर्शन से उन्हें मदद मिली।

केकेआर द्वारा खरीदे जाने के बाद बोले रमेश- मेरे माता-पिता अंततः काम नहीं करने के लिए राजी हुए

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली को देखते हुए 20 लाख का अनुबंध भले ही बहुत बड़ी बात नहीं लगे लेकिन टेनिस गेंद के क्रिकेट में नाम कमाने वाले रमेश कुमार ने इस राशि के साथ सुनिश्चित किया कि उनके पिता को अब आजीविका कमाने के लिए मोची का काम नहीं करना होगा और ना ही उनकी मां को पंजाब के फाजिल्का जिले में चूड़ियां बेचने के लिए एक गांव से दूसरे गांव में घूमना पड़ेगा। टेनिस गेंद के क्रिकेट में 'नारायण जलालाबाद के नाम से मशहूर रमेश गेंद और बल्ले से अपने खेल से पहले ही यूट्यूब पर स्टार हैं। पिछले सप्ताहांत नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अनुबंध के बाद उनकी कहानी अधिक लोगों के पास पहुंची है। रमेश ने इससे पहले भी कई बार अपने उम्रदराज माता-पिता को काम बंद करने को कहा लेकिन उन्होंने कभी उसकी बात नहीं सुनी। आईपीएल करार मिलने के बाद हालांकि अंतत वे मान गए कि उनके बेटे का खेल में भविष्य है और उन्हें गली-गली भटकने की जरूरत नहीं है। स्थानीय टूर्नामेंट में एक बार 10 गेंद में अर्धशतक जड़ने वाले रमेश ने कहा, 'वे अंततः अब और काम नहीं करने के लिए राजी हो गए हैं। मैं कभी नहीं चाहता था कि वे ये काम करें लेकिन मजबूरी में यह काम करना पड़ा।% रमेश आईपीएल से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल अपने छोटे भाइयों की शिक्षा के लिए करना चाहते हैं। नीलामी में नाइट राइडर्स द्वारा सफल बोली लगाने के बाद से रमेश का फोन लगातार बज रहा है लेकिन उनके पैर जमीन पर हैं। उन्होंने कहा, 'अब तक जीवन नहीं बदला है, जीवन तब बदलेगा जब मैं जलालाबाद के 23 वर्षीय रमेश ने सात साल तक पूरे भारत के टेनिस बॉल टूर्नामेंट में अपना जौहर दिखाया है लेकिन पिछले साल ही उन्होंने 'लैदर गेंद से खेलना शुरू किया।

फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 - नाकामुरा और अरोनियन खेलेंगे फाइनल

जर्मनी । फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले पड़ाव बर्लिन ग्रां प्री में यूएसए के दोनों खिलाड़ी लेवोन अरोनियन और हिकारु नाकामुरा फाइनल पहुँचने मे कामयाब रहे है और इसके साथ ही अब इस बात पर सबकी नजरे रहेंगी की खिताब किसके नाम होगा ।यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें पूल ए से सेमी फाइनल मे जगह बनाई थी जहां उनका सामना पूल बी के विजेता हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से हुआ । नाकामुरा नें बेस्ट ऑफ टू के सेमी फाइनल मे पहला मुक़ाबला जीतकर तो दूसरा ड्रॉ करके 1.5-0.5 के अंतर से फाइनल मे अपना स्थान तय कर लिया । नाकामुरा की तरह ही पूल सी के विजेता लेवोन अरोनियन नें पूल डी के विजेता हमवतन लिनियर दोमिंगेज को 1.5-0.5 के अंतर से मात देते हुए फाइनल मे स्थान बनाया । किसी फीडे के अधिकृत टूर्नामेंट मे यह पहला मौका होगा जब ये दोनों खिलाड़ी आपस मे टकराएँगे । आपको बता दे की फीडे ग्रां प्री के तीन टूर्नामेंट के बाद पहले दो स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी फीडे कैंडीडेट के लिए आपको बता दे की फीडे ग्रां प्री के तीन टूर्नामेंट के बाद पहले दो स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी फीडे कैंडीडेट के लिए चयनित हो जाएँगे ।

बांगलादेश दौरे पर गई अफगानिस्तान की टीम कोरोना की चपेट में

ढाका । अफगानिस्तान के आठ खिलाड़ी और तीन सपोर्ट स्टाफ के सदस्य अन्य सदस्यों जो नेगेटिव पाए गए हैं, ने मंगलवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास शुरू कर दिया है। बीसीबी के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि अब वे खिलाड़ी हमारे प्रोटोकॉल के तहत नहीं हैं, यह देखते हुए कि सीरीज 19 फरवरी से शुरू होगी, लेकिन अब वे जो भी समर्थन चाहते हैं, हम वह प्रदान करेंगे। अगर लक्षण हल्के हैं तो उन्हें आइसोलेशन में रखा खुद ही अपनी देखभाल कर रहे हैं। समझा जाता है कि कोरोना पॉजिटिव पाए गए सदस्यों का पांच से सात दिनों में फिर से कोरोना टेस्ट किए जाने की उम्मीद है और अगर उन्हें मंजूरी मिल जाती है, तो वे टीम के अन्य सदस्यों के साथ अभ्यास शुरू कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान टीम ने कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आने से पहले 14 फरवरी को अभ्यास किया था, लेकिन अफगानिस्तान की 22 सदस्यीय टीम 12 फरवरी को ढाका पहुंची थी और मेजबान बंगलादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे और दो मैचों की टी-20 सीरीज से पहले तैयारी शिविर में भाग लेने के अगले दिन सिलहट चली गई थी। अफगानिस्तान टीम के तीन सदस्य बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद टूरिंग टीम में शामिल हो गए। वहीं लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं, वनडे सीरीज से पहले टीम में शामिल होंगे। से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए 19 फरवरी को चटगांव के लिए उड़ान भरेगी और बाद में दोनों टीमें तीन और पांच मार्च को दो टी-20 मैचों के लिए ढाका की यात्रा करेंगी। अफगानिस्तान टीम 23 फरवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए 19 फरवरी को चटगांव के लिए उड़ान भरेगी और बाद में दोनों

जिस तरीके से कोविड-19 ने विश्व भर में विस्तार पाया है, कम से कम उस स्तर पर किसी बीमारी का तीव्र विस्तार ना हो सके। जाहिर तौर पर इस स्थिति को पहचानने और महामारी के भिन्न लक्षणों का स्तर, कोई एपिडेमियोलॉजिस्ट ही समझ सकता है।

पैनडेमिक सिचुएशन से उबारने के बनें विशेषज्ञ

कोविड–19 ने जिस प्रकार से समूची दुनिया को हिला कर रख दिया है। इससे लोग एक बार फिर सोचने को मजबूर हो गए हैं कि क्या हमारे पास महामारी से संबंधित ढेर सारे विशेषज्ञ होने चाहिए, जो ऐसी स्थिति आने पर अपने ज्ञान और अपने जज्बे से हमें इस मुसीबत में फंसने से बचा लें। खुदा न खास्ता अगर मुसीबत में कोई फँस भी जाता है, तो जिस तरीके से कोविड–19 ने विश्व भर में विस्तार पाया है, कम से कम उस स्तर पर किसी बीमारी का तीव्र विस्तार ना हो सके। जाहिर तौर पर इस स्थिति को पहचानने और महामारी के भिन्न लक्षणों का स्तर, कोई एपिडेमियोलॉजिस्ट ही समझ सकता है। ऐसे में आपके सामने एपिडेमियोलॉजिस्ट बनने हेतु कॅरियर में अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए क्या योग्यता होनी चाहिए, आइये जानते हैं.

वास्तव में देखें तो दुनिया भर में पब्लिक हेल्थ से बढ़कर कोई दूसरी चीज नहीं है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि ''पहला सुख, निरोगी काया''। कल्पना कीजिए कि किस स्तर का डर फैल जाता है, अगर स्वास्थ्य पर संकट आ जाए। बात और भी गंभीर हो जाती है अगर कोई एक बीमारी समूचे विश्व पर एक महामारी की शक्ल में आये। ऐसे में कुछ भी कहना शेष नहीं रह जाता, क्योंकि तब स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर हो जाती है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसी किसी बीमारी की रोकथाम के फुलप्रूफ इंतजाम होने चाहिए। ऐसे में एपिडेमियोलॉजिस्ट का प्रोफाइल यहां बेहद कामयाब दिखता है। इसमें किसी बीमारी की पहचान और वह कितनी तेजी से फैल सकती है और उसे प्रभावी ढंग से कैसे रोक सकते हैं, यह कार्य अपने रिसर्च के द्वारा एक एपिडेमियोलॉजिस्ट ही कर सकता है। एपिडेमियोलॉजिस्ट में मुख्यत: दो भाग हैं, जिसमें एक रिसर्च फील्ड से संबंधित है तो दूसरा क्लीनिकल फील्ड से संबंधित है।

वस्तुत: यह पूरी तरह से प्रोफेशनल होते हैं जो महामारी जैसे रोगों में लोगों की प्रतिक्रिया से लेकर, जेनेटिक बीमारी और बायो टेररिज्म तक पर कार्य करते हैं। इसके लिए आपके पास एक मास्टर डिग्री होना चाहिए। हमारे देश की बात करें तो इसके लिए 12वीं पास स्टूडेंट, जिसने फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी ली हुई है। वह बीएससी अथवा दूसरे अंडर ग्रेजुएट कोर्स में अपना दाखिला करा सकता है और ऐसे ही जब आप ग्रेजुएशन करने जाएंगे तो यह जान लें कि किसी भी यूनिवर्सिटी से कम से कम 55 फीसदी मार्क आपकी ग्रेजुएशन में होना चाहिए। इसके पश्चात एपिडेमियोलॉजिस्ट के संबंध में प्रचलित तमाम कोर्सेज में आप पार्टिसिपेट कर सकते हैं। इसमें बैचलर आफ साइंस, पब्लिक हेल्थ में बैचलर डिग्री और मास्टर डिग्री। इसके बाद मास्टर ऑफ साइंस एपिडेमियोलॉजिस्ट में आता है। तत्पश्चात पीजी डिप्लोमा और अंत में आप एपिडेमियोलॉजिस्ट से पीएचडी कर सकते हैं। अथवा पब्लिक हेल्थ से पीएचडी कर सकते हैं।

स्कूल की बात करें तो दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू, मुंबई स्थित होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट मौजूद है। ऐसे ही चेन्नई में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एपिडेमियोलॉजी स्थापित है। इसके अलावा आईआईटी के विभिन्न संस्थान इसकी ट्रेनिंग देते हैं। जैसे आईआईटी गांधीनगर, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज मुंबई, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, तमिलनाडु, राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, पटना, जिसके नाम से भी जाना जाता है।

कोरोना के दौर में बोर्ड एग्जाम की तैयारी के लिए टिप्स

टीचर, ग्रुप स्टडी और दोस्तों के साथ पढ़ाई से आप एक तरह से वंचित हो चुके हैं, इसलिए समय प्रबंधन आवश्यक ही नहीं, अति आवश्यक है। अब टाइम टेबल के अनुसार विषय वाइज पढ़ाई कीजिए और इससे निश्चित रूप से परीक्षा हाल में आपको बेहतर परिणाम दिखेगा।

कोरोना महामारी ने जिन सेक्टर्स को सर्वाधिक डिस्टर्ब किया है, उनमें से एजुकेशन सेक्टर प्रमुख है। अगर यह कहा जाए कि पूरे साल को कोविड–19 ने, एजुकेशन के लिहाज से बर्बाद कर दिया, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से कुछ स्कूल और दूसरी शैक्षणिक संस्थाएं बच्चों को पढ़ाने की कोशिश जरूर करती दिखीं, परंतु स्कूलों में होने वाली पढ़ाई और वहां मिलने वाला पढ़ाई का माहौल, अगर घर पर ही मिल जाए, तो फिर स्कूल की जरूरत ही क्यों पड़े? परंतु हकीकत यह है कि बावजूद तमाम मुसीबतों के 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सीबीएसई द्वारा घोषित हो चुकी है। 4 मई से 10 जून तक यह परीक्षाएं चलेंगी और इसका परिणाम जुलाई में घोषित करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने तैयारी कर ली है। कमोबेश इसी से मिलते जुलते डेट्स तमाम राज्यों के बोर्ड भी जल्द ही घोषित कर देंगे।

ऐसे में बच्चों के सर पर एग्जाम का बोझ तो आ ही गया, बेशक उनकी पढ़ाई हुई हो या नहीं! मतलब परीक्षाएं होंगी। हालांकि इसके लिए अभी समय जरूर है, पर अगर आज से ही सजगता नहीं बरती गई, तो इसके परिणाम बहुत बेहतर नहीं आएंगे और इस बात का यकीन जितनी जल्दी से जल्दी कर लिया जाए, तो बेहतर रहेगा!

टाइम टेबल

जी हां! कहते हैं कि संसार में एक समय ही ऐसी चीज है, जो कभी रुकता नहीं है! अगर आपने बीआर.चोपड़ा द्वारा निर्मित महाभारत के एपिसोड देखे हैं, तो उसमें ''मैं समय हूं'' का मशहूर संवाद अवश्य ही सुना होगा। सच तो यह है कि अगर आप समय की कीमत नहीं समझते हैं, तो सामान्य दिनों में भी आप बहुत अच्छा परिणाम नहीं ला सकते हैं, और हाल फिलहाल तो कोरोना वायरस आपका आधा समय यूं ही निकाल चुका है। टीचर, ग्रुप स्टडी और दोस्तों के साथ पढ़ाई से आप एक तरह से वंचित हो चुके हैं, इसलिए समय प्रबंधन आवश्यक ही नहीं, अति आवश्यक है। अब टाइम टेबल के अनुसार विषय वाइज पढ़ाई कीजिए और इससे निश्चित रूप से परीक्षा हाल में आपको बेहतर परिणाम दिखेगा।

हेल्थ के बिना कुछ भी ठीक नहीं!

स्कूल जाने पर आप ना चाहते हुए भी काफी कुछ पढ़ लेते थे, शारीरिक भाग दौड़ भी हो ही जाती थी, किंतु लॉकडाउन में और उसके बाद स्कूल नहीं खुलने से आप कहीं आलसी तो नहीं हो गए हैं? कहीं ऐसा तो नहीं है कि आप अपनी हेल्थ के प्रति लापरवाह हो गए हैं? खैर, अब सजग हो जाइए! सुबह जगने से लेकर, नाश्ता, पौष्टिक भोजन और शाम को थोड़ा बहुत टहलने से लेकर, सही समय पर सोना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। और हां! सुबह सुबह व्यायाम करने से आपका पूरा दिन तरोताजा रहता है और इससे आप तो बेहतर स्टडी अवश्य कर सकते हैं। एक बार पुन: इस बात को दोहरा लीजिए कि बगैर उत्तम हेल्थ के आपका पढ़ाई में मन ही नहीं लगेगा और किताब खोल कर बेशक आप बैठे रहें, परंतु आपको, आप ही के मन मस्तिष्क द्वारा बेहतर परिणाम नहीं प्राप्त होगा।

पूछिये, ढूँढिये, किंतु भटकिये नहीं!

लॉकडाउन में आप इंटरनेट की मदद लेना तो सीख ही गए होंगे, किंतु इंटरनेट पर कितना भटकाव है, यह भी आप महसूस अवश्य कर चुके होंगे। पहले आपने सोशल मीडिया इत्यादि पर समय नुकसान किया ही होगा, तमाम गैर जरूरी वीडियोज देखा होगा, दोस्तों के साथ गेम और चैट में समय खराब किया होगा, पर अब यह ना करिए! आप इंटरनेट की मदद अपनी प्रॉब्लम सॉल्व करने के लिए जरूर कीजिए, किंतु समय नुकसान ना हो, उस पर भटकिए नहीं! इंटरनेट जहां फायदे के लिए इस्तेमाल किया जाता है, वहीं यह आपका समय कितनी जल्दी व्यतीत कर देगा, आपको पता भी नहीं चलेगा। इसीलिए बेहद सजगता के साथ ही इंटरनेट ब्राउजिंग करें और अपने घड़ी की सुईयां देखते रहें। साथ ही इंटरनेट के अलावा भी आप अपने दोस्तों से, अपने टीचर से, अपनी प्रॉब्लम्स का सलूशन प्राप्त करने की कोशिश कर सकते हैं। इसमें तनिक भी हिचकिचाहट पालने की जरूरत नहीं है।

शांत वातावरण में रिवीजन

जिस प्रकार से जिम में एक बॉडीबिल्डर रोज एक ही व्यायाम का अभ्यास करता है, ठीक उसी प्रकार आपको अपने सब्जेक्ट का लगातार अभ्यास करना पड़ेगा, उसका रिवीजन करना पड़ेगा। अगर आप रिवीजन नहीं करेंगे, तो आपका कॉन्फिडेंस, जल्द ही कन्फ्यूजन में बदल जाएगा। वहीं इसका उल्टा भी उतना ही सत्य है। अगर आप किसी टॉपिक को लेकर कन्फ्यूजन में हैं, तो रिवीजन करने से निश्चित रूप से आपको कॉन्फिडेंस प्राप्त हो जाएगा। हालांकि इसके लिए कोशिश करें कि आपको थोड़ा पीसफुल एनवायरमेंट मिले। टेलीविजन, इंटरनेट और दूसरे म्यूजिक इत्यादि माध्यमों से दूर रहकर एकांत में रिवीजन करने से आप बोर्ड एग्जाम की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकते हैं, इस बात में दो राय नहीं है।

सीखिए लैपटॉप रिपेयरिंग और बनाएं उज्ज्वल भविष्य

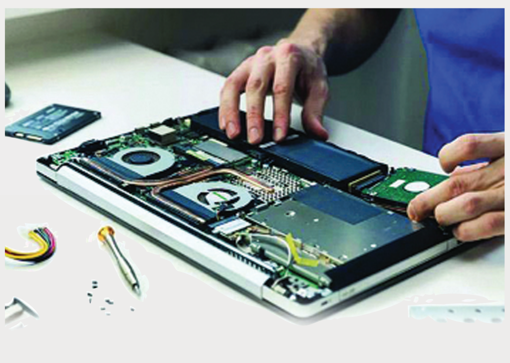

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर–

स्किल्स– कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी–बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ–साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

कोर्स– लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

संभावनाएं– कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

आमदनी– इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यत: आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए।

फ्रेशर्स के लिए कॅरियर टिप्स

पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज–मस्ती के बाद उन्हें अपने कॅरियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सके। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार–बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊचांइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनैलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है। हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहें कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते, जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ–साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉर्प करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बाते हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाडरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी–छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।

अमेरिका ने रूस को फिर चेतावनी दी-यूक्रेन पर आक्रमण के भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एक बार फिर रूस को यूक्रेन पर आक्रमण करने पर ''गंभीर परिणाम'' भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा कि यदि क्रेमलिन रचनात्मक तौर पर चयन करता है तो कूटनीति का मार्ग अभी भी उपलब्ध है। व्हाइट हाउस की प्रधान उप प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका संकट को कम करने के लिए एक राजनयिक समाधान तक पहुंचने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा जैसा कि आप सभी जानते हैं, सप्ताहांत में बाइडन ने (रूस के) राष्ट्रपति पुतिन के साथ बात की और हम अपने सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ पूर्ण तालमेल बनाते हुए रूस सरकार के साथ संपर्क में हैं।'' रूस ने यूक्रेन की सीमा के समीप करीब 100,000 सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है । इस कदम पर पश्चिम देश उसे चेतावनी दे रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि उसका इरादा यूक्रेन पर हमला करने का है। हालांकि रूस ने बार-बार इनकार किया है कि उसकी यूक्रेन पर हमला करने की कोई योजना है। जीन पियरे ने कहा, ''अगर रूस इस मुद्दे पर रचनात्मक रुख अपनाता है तो कूटनीति का रास्ता उपलब्ध है। हालांकि, हम रूस द्वारा जमीन पर उठाए जा रहे कदमों को देखते हुए इस बात की संभावनाओं को लेकर स्पष्ट हैं।'' उन्होंने कहा कि बाइडन ने स्थिति पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से संपर्क किया। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं (बाइडन एवं जॉनसन) ने यूक्रेन और रूस के साथ अपने हालिया राजनयिक संबंधों पर चर्चा की। व्हाइट हाउस के अनुसार दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सीमाओं पर रूस के निरंतर सैन्य जमावड़े के जवाब में चल रहे राजनयिक और प्रतिरोधक प्रयासों की भी समीक्षा की तथा यूक्रेन की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के लिए एक बार फिर अपना अपना समर्थन दोहराया।

एक्सपर्ट का दावा: ताइवान पर और आक्रामक हो सकता है चीन, युद्ध के बढ़े आसार !

इंटरनेशनल डेस्क। रूस और यूक्रेन तनाव के बीच चीन की राजधानी बीजिंग में चल रहीं विंटर ओलंपिक खेलों की चर्चा भी जोरों पर है अमेरिका के बाद अब यूक्रेन ने भी यह कहकर सनसनी फैला दी है कि रूस इन गेम्स के बीच 16 फरवरी को उस पर हमला कर सकता है। यह दावा एक्सपर्ट ने किया है। जानकारों की तरफ से यहां तक कहा गया था कि रूस-यूक्रेन तनाव के बीच चीन-रूस के बीच बनते नए समीकरणों में भविष्य में शी चिनफिंग को ही अधिक फायदा होगा। जानकारों की राय में रूस और यूक्रेन के बीच उभरे तनाव पर चीन की पूरी नजर है। वो ये सुनिश्चित करना चाहता है कि युद्ध छिड़ने पर विश्व का रूख इसके प्रति क्या रहता है और वो क्या प्रतिक्रिया देता है। इसके बाद वो ताइवान की तरफ अपना रुख कर सकता है और बड़े कदम भी उठा सकता है। जानकारों का मानना है कि रूस-यूक्रेन तनाव के बीच अमेरिका का ध्यान भी अब ताइवान-चीन विवाद की तरफ नहीं है। वहीं दूसरी तरफ चीन भी विंटर ओलंपिक गेम्स के बीच किसी तरह का कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता है जिससे उसके यहां पर चल रहे विंटर ओलंपिक गेम्स सुर्खियों से हट जाए। लेकिन इन गेम्स के खत्म होने के बाद चीन कुछ बड़ा कदम उठा सकता है। लेकिन सवाल ये है कि ऐसे में भारत की भूमिका क्या होगी । बता दें कि बीजिंग में चल रहे ये गेम्स 4 फरवरी 2022 को शुरू हुए थे और ये 20 फरवरी 2022 तक चलेंगे। इसके आगाज का हिस्सा बनने खुद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी बीजिंग गए थे और वहां पर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से कई मुद्दों पर बात हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच अहम समझौते भी हुए थे।

पश्चिमी देशों और अमेरिका ने इस नए गठबंधन को अपने खिलाफ एकजुट होने के रूप में देखा था। जानकारों ने भी इस गठबंधन को लेकर अपनी राय जाहिर की थी।

भारत क्वाड को आगे बढ़ाने वाली ताकत है: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) को आगे बढ़ाने वाली ताकत और क्षेत्रीय विकास का इंजन है । मेलबर्न में क्वाड समूह के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद व्हाइट हाउस ने यह बात कही है। यह बैठक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और यूक्रेन को लेकर पश्चिम तथा रूस के बीच बढ़ते तनाव सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलायी गयी थी। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य देश हैं। व्हाइट हाउस की प्रधान उप प्रेस सचिव कैरीन ज्यां पियरे ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम इस बात को मानते हैं कि भारत समान सोच रखने वाला साझेदार, दक्षिण एशिया एवं हिंद महासागर में अग्रणी, दक्षिण पूर्व एशिया में सक्रिय एवं उससे जुड़ा हुआ, क्वाड को आगे बढ़ाने वाली शक्ति और क्षेत्रीय विकास का एक इंजन है।'' उन्होंने मेलबर्न में हुई बैठक के बारे में कहा, ''यह यूक्रेन पर रूसी खतरे को लेकर चर्चा करने का अवसर था। उन्होंने उस खतरे पर चर्चा की, जो रूस के कारण न केवल यूक्रेन के लिए, बल्कि क्षेत्र और दुनिया में सुरक्षा एवं समृद्धि का दशकों से आधार रही अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था के लिए पैदा हुआ है।'' पियरे ने कहा कि अमेरिका एक ऐसी रणनीतिक साझेदारी बनाना जारी रखेगा, जिसमें अमेरिका और भारत दक्षिण एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करें, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग करें और आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करें तथा हिंद प्रशांत को मुक्त एवं स्वतंत्र बनाने में योगदान दें।

तुर्की में प्रेस की स्वतंत्रता का दमन कर रही एर्दोगन सरकार

इंटरनेशनल डेस्क। निरंकुश राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन के अधीन तुर्की सरकार देश में प्रेस की स्वतंत्रता का दमन कर रही है और कई वर्षों से तुर्की मास मीडिया पर लगभग पूर्ण नियंत्रण का प्रयोग कर रही है। लेकिन हाल ही में इसने यह नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है कि विदेशी मीडिया तुर्की में विकास के बारे में किस तरह रिपोर्ट करता है। पिछले हफ्ते, रेडियो और टेलीविजन सुप्रीम काउंसिल (आरटीयूके), जो तुर्की की प्रसारण निगरानी है, ने वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए), जर्मन ड्यूश वेले (डीडब्ल्यू) के अंतरराष्ट्रीय समाचार आउटलेट की तुर्की सेवाओं के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन 72 घंटे की समय सीमा दी है। समय सीमा के साथ धमकी दी गई थी कि अगर वे ऑनलाइन प्रसारण लाइसेंस का पालन करने औरप्राप्त करने में विफल रहे, तो उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। नियामक को समय सीमा समाप्त होने पर अदालत जाने और उन वेबसाइटों को बंद करने का अधिकार है, जिनमें वीडियो समाचार भी शामिल हैं। प्राप्त करने में विफल रहे, तो उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। नियामक को समय सीमा समाप्त होने पर अदालत जाने और उन वेबसाइटों को बंद करने का अधिकार है, जिनमें वीडियो समाचार भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

अरबपति इसाकमैन के अनूठे अंतरिक्ष मिशन के चालक दल में शामिल होंगी स्पेसएक्स की इंजीनियर अन्ना मेनन

नेशनल डेस्क। अमेरिकी अरबपति जैरेड इसाकमैन द्वारा घोषित अनूठे अंतरिक्ष मिशन के चालक दल के सदस्यों में स्पेसएक्स की इंजीनियर अन्ना मेनन भी होंगी। इसाकमैन ने पिछले साल दुनिया के पहले निजी अंतरिक्ष चालक दल की अगुवाई की थी। अन्ना मेनन भारतीय मूल के चिकित्सक अनिल मेनन की पत्नी हैं और वह स्पेसएक्स में लीड स्पेस ऑपरेशन्स इंजीनियर हैं। स्पेसएक्स ने सोमवार को बताया कि अन्ना मेनन चालक दल के संचालन संबंधी कार्यक्रम का प्रबंधन करती हैं और मिशन निदेशक तथा चालक दल संवाहक के तौर पर मिशन नियंत्रण में भी सेवा देती हैं। इसाकमैन अमेरिकी भुगतान संसाधन कंपनी शिफ्ट4 के संस्थापक एवं सीईओ हैं। उन्होंने इंस्पिरेशन4 मिशन की कमान संभाली थी और पोलरिस प्रोग्राम का ऐलान किया था। कार्यक्रम में तीन मानव अंतरिक्ष यान मिशन शामिल होंगे। पहले मिशन का नाम पोलरिस डॉन है और इसे 2022 के अंत तक फ्लोरिडा में राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रबंधन (नासा) के केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से भेजा जाएगा। अन्ना मेनन इस मिशन के लिए विशेषज्ञ एवं चिकित्सा अधिकारी हैं।

तिब्बती छात्र संगठन ने पेरिस में तिब्बती स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर किया प्रदर्शन

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में तिब्बती स्वतंत्रता दिवस की 109वीं वर्षगांठ के अवसर पर फ्री तिब्बत-फ्रांस के छात्रों ने रविवार को बैस्टिल स्क्वायर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्वासन में तिब्बती सरकार के संसद सदस्य थुप्टेन ग्यास्त्सो सहित फ्रांस में तिब्बती प्रवासी के 100 से अधिक सदस्यों ने तिब्बती ध्वज फहराने और चीनी कब्जे से तिब्बत की स्वतंत्रता की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने उस संधि को भी प्रदर्शित किया जिस पर 1913-1914 में शिमला सम्मेलन के दौरान चीन गणराज्य, तिब्बत और यूनाइटेड किंगडम के तत्कालीन प्रतिनिधियों द्वारा बातचीत की गई तिब्बत की स्थिति के संबंध में हस्ताक्षर किए गए थे। बाद में, प्रदर्शनकारियों ने पारंपरिक तिब्बती गीतों पर नृत्य किया, जिसमें कई राहगीर शामिल हुए। 13 फरवरी, 1913 को, 13वें दलाई लामा ने तिब्बती स्वतंत्रता की घोषणा की और तब से तिब्बतियों ने 13 फरवरी को तिब्बत के इतिहास के महत्व पर लोगों को शिक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में चिह्नित किया। बता दें कि तिब्बत पर बीजिंग में स्थित चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार का शासन है, जिसमें स्थानीय निर्णय लेने की शक्ति चीनी पार्टी के अधिकारियों के हाथों में केंद्रित है। 1950 में चीन के आक्रमण से पहले तिब्बत एक संप्रभु राज्य था जब पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने उत्तरी तिब्बत में प्रवेश किया।

उत्तर कोरिया के सनकी किंग ने पसंदीदा फूल नहीं खिला पाने पर मालियों को दी सख्त सजा

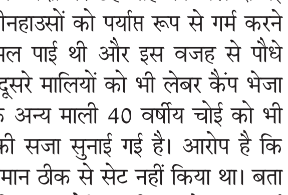

इंटरनेशनल डेस्क। उत्तर कोरिया के सनकी किंग के राज में लोगों का जीना मुहाल है। किम जोंग अपनी मनमानी पूरी न होने पर कड़ी सजा देकर लोगों को सबक सिखाता है। इसकी एक ओर मिसाल सामने आई है। किम जोंग उन ने पिता किम जोंग इल की जयंती पर स्मारक और देश की सड़कों को सजाने के लिए मनपसंद फूल किमजोंगिलिया बेगोनिया खिलाने में नाकाम रहने पर कई मालियों को सख्त सजा सुना दी है। सनकी किंग ने मालियों को सजा तौर पर लेबर कैंप भेज दिया है। ये कैंप 24 घंटे काम कराने वाले कैदखाने होते हैं। पूर्व तानाशाह जोंग-इल के नाम पर फूल का नाम किमजोंगिलिया बेगोनिया रखा गया है। मालियों से 16 फरवरी को किम जोंग-इल की जयंती से पहले इन फूलों को खिलाना था, लेकिन वे सफल नहीं हुए। उत्तरी रियानगांग प्रांत के समसू काउंटी से एक फार्म मैनेजर को पौधों की उपेक्षा पर छह माह की जेल दी गई है। हान को सर्दी के महीनों में ग्रीनहाउसों को पर्याप्त रूप से गर्म करने के लिए जलाऊ लकड़ी नहीं मिल पाई थी और इस वजह से पौधे खराब हो गए। उसके साथ कई दूसरे मालियों को भी लेबर कैंप भेजा गया है। बता दें कि फार्म के एक अन्य माली 40 वर्षीय चोई को भी लेबर कैंप में तीन महीने रहने की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि उसने ग्रीनहाउस बॉयलरों का तापमान ठीक से सेट नहीं किया था। बता दें कि किम जोंग-इल की जयंती उत्तर कोरिया की सबसे महत्वपूर्ण छुट्टियों में से एक है।

चाइना डिवैलपमेंट बैंक का पूर्व उपाध्यक्ष रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार

बीजिंग। चीन में भ्रष्टाचार के मामले में चाइना डिवैलपमेंट बैंक के पूर्व उपाध्यक्ष हे जिंगजियांग को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अभियोजन पक्ष के आरोपों के अनुसार, हे जिंगजियांग पर चार अपराधों का संदेह है जिनमें कि रिश्वत लेने का अपराध, नियमों के उल्लंघन में वित्तीय दस्तावेज जारी करने का अपराध, अवैध रूप से ऋण देने का अपराध और विदेशी जमा को छिपाने का अपराध शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार चाइना डिवैलपमेंट बैंक स्टेट काउंसिल के सीधे अधिकार क्षेत्र में आता है। जिंगजियांग द्वारा रिश्वत लेने से बैंक को बड़े वित्तीय जोखिम का सामना करना पड़ा है। जिंगजियांग साल 1963 में पैदा हुए थे। उन्होंने पॉलिसी बैंक सीडीबी में कम्युनिस्ट पार्टी कमेटी के सदस्य के रूप में सेवा करने से पहले स्टेट लेंडर्स बैंक ऑफ चाइना और एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट बैंक ऑफ चाइना में काम किया।

चीन के प्रेम में अंधे हुए इमरान; बोले- उइगरों पर पश्चिमी मीडिया कर रहा झूठा प्रचार, स्थिति खराब नहीं

इंटरनेशनल डेस्क। दुनिया भर के मुसलमानों के अधिकारों का रोना रोने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान चीन के प्रेम में अंधे हो चुके हैं। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले इमरान उइगर मुस्लिमों के मसले पर अक्सर चुप दिखाई देते हैं जिससे उनका दोहरा चरित्र सबके सामने आ जाता है। चीन के दौरे पर गए इमरान खान ने एक बार फिर इस मुद्दे पर आंख मूंदते हुए झिंजियांग में उइगर मुसलमानों के मसले पर चीन का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी मीडिया ने जैसा दिखाया है, उइगर मुसलमानों की स्थिति वैसी नहीं है। एक साक्षात्कार के दौरान इमरान खान ने अपने सहयोगी चीन का बचाव करते हुए कहा कि चीन में पाकिस्तान के राजदूत मोइनुल हक ने झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि यहां की स्थिति वैसी नहीं है, जैसी पश्चिमी मीडिया द्वारा चित्रित की गई है। दरअसल चीन में ओलंपिक से पहले पश्चिमी देशों ने उइगर मुसलमानों के शोषण को लेकर चीन को घेरना शुरू कर दिया है। ऐसे में बीजिंग ने अपने सहयोगी देश पाकिस्तान से इस मसले पर समर्थन मांगा था, जिसके बाद उइगर मुसलमानों के दमन और शोषण के बाद भी इमरान आंख मूंद कर चीन का समर्थन कर रहे हैं । इसके पीछे पाकिस्तान का चीन पर आर्थिक, कूटनीतिक और सैन्य निर्भरता है। दरअसल आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान चीन पर बहुत हद तक निर्भर हो चुका है। उसने चीन से बड़ा कर्ज भी ले रखा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने उइगर मुसलमानों पर चीन का समर्थन ऐसे समय पर किया है, जब वैश्विक समुदाय इस मसले पर चीन पर कार्रवाई की मांग कर चुका है। दरअसल, 243 वैश्विक समूहों ने मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया था। उइगर मुसलमानों के साथ चीन के व्यवहार के बारे में सवाल पर इमरान खान ने भारत की ओर इशारा किया। कहा कि, भारत द्वारा कश्मीर में निर्दोष लोगों का नरसंहार करने की पाकिस्तान की निंदा और झिंजियांग मुद्दे की तुलना उचित नहीं है।

गुलजा हत्याकांड के 25 साल बाद भी उइगरों को नहीं मिला न्याय, चीन से जवाबदेही पर दे रहे जोर

वाशिंगटन। झिंजियांग में 1997 के गुलजा नरसंहार की घटना को उइगर मुसलमानों के खिलाफ चीनी क्रूरता के रूप में देखा जाता है। रेडियो फ्री एशिया में लिखते हुए गुलचेहरा होजा ने कहा कि घटना के 25 साल बाद भी उइगरों को इस मामले न्याय नहीं मिला और वो जवाबदेही के लिए जोर दे रहे हैं। होजा ने कहा कि 1997 को उस दिन युवा उइगरों ने धार्मिक दमन और जातीय भेदभाव को समाप्त करने का आह्वान करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप कई लोग मारे गए। होजा ने कहा कि एक रिपोर्ट के अनुसार नरसंहार में 200 सौ लोग मारे गए लेकिन सच इससे कहीं भयानक है। उस दिन हजारों लोग मारे गए होंगे लेकिन उस समय इस नरसंहार को बहुत कम अंतर्राष्ट्रीय ध्यान मिला। नरसंहार की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए उइगर अब बीजिंग में 2022 शीतकालीन ओलंपिक का उपयोग कर रहे हैं। ऋन्न की रिपोर्ट के अनुसार, वे उस दिन जो हुआ उसकी अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए दबाव डालने और रक्तपात के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही लेने के लिए गुलजा की वर्षगांठ का सहारा ले रहे हैं। विश्व उइगर कांग्रेस के अध्यक्ष डोलकुन ईसा ने कहा, पच्चीस साल पहले, गुलजा नरसंहार चीनी अधिकारियों द्वारा उइगर लोगों के साथ व्यवहार और अभिव्यक्ति और सभा की स्वतंत्रता पर प्रहार था। माना जाता है कि आज लगभग 2 मिलियन उइगरों को शिनजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र में सामूहिक नजरबंदी शिविरों में भेजा गया है, जो सरकार द्वारा एक जातीय और धार्मिक रूप से विविध आबादी पर नियंत्रण बनाए रखने की सख्त कोशिश कर रही है। । इस बीच, चीन ने घटना से जुड़े उइगरों का शिकार करना जारी रखा है। विरोध में भाग लेने और अन्य प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए गिरफ्तार किए गए हैं।

चीन ने 2017 में इस क्षेत्र में अपना सामूहिक नजरबंदी अभियान शुरू किया है। माना जाता है कि अनुमानित 1.8 मिलियन ज्यादातर मुस्लिम उइगर और अन्य तुर्किक अल्पसंख्यक तब से सैकड़ों शिविरों में हिरासत में हैं।

भारत से पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को गेंहू की आपूर्ति अगले सप्ताह से होगी शुरू

इस्लामाबाद। भारत ने 50 हजार टन गेंहू की खेप अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के तौर पर भेजने का फैसला किया है जिसकी आपूर्ति अगले सप्ताह से पाकिस्तान के रास्ते होगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान को मानवीय संकट से बचाने के लिए भारत मानवीय सहायता दे रहा है। वह पहले ही अफगानिस्तान को 50 हजार टन गेंहू और दवाएं पाकिस्तान के रास्ते सड़कमार्ग से पहुंचाने की योजना की घोषणा कर चुका है। राजनयिक सूत्रों ने ''पीटीआई-भाषा को इस्लामाबाद में बताया कि सभी बाधाएं दूर कर ली गई है और भारत ने पाकिस्तान से अफगान ट्रक चालकों और ठेकेदारों की सूची साझा की है जो पाकिस्तान के रास्ते गेंहू अफगानिस्तान ले जाएंगे। सूत्रों ने बताया, ''गेंहू की ढुलाई अगले सप्ताह से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि द्विपक्षीय सहमति के तहत भारत को वाघा सीमा के रास्ते गेंहू की पहली खेप की आपूर्ति 30 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान शुरू में चाहता था कि भारत, अफगानिस्तान को उसके ट्रकों के जरिये और संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले सहायता पहुंचाए।

खतरे में इमरान की कुर्सी ! विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव की तैयारियां की तेज

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान में राजनीतिक भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष ने इमरान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।प्रधानमंत्री इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है। विपक्षी मोर्चा पीडीएम ने अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी भी कर ली है जिससे इमरान की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि पाकिस्तान की 342 सदस्यों वाली संसद में पक्ष और विपक्ष की क्या स्थिति है। सदन में सत्ता पक्ष के 177 सांसद है। इनमें से 156 सांसद इमरान की पार्टी पीटीआइ के हैं। बाकी अन्य सरकार के सहयोगी दलों के हैं। उधर, विपक्ष के खेमे में 162 सांसद हैं। इसमें सर्वाधिक 84 सांसद नवाज शरीफ की पीएमएलएन के हैं। प्रो. हर्ष वी पंत का कहना है कि संख्या बल के हिसाब से इमरान खान की कुर्सी तब तक सुरक्षित है, जब तक उनके गठबंधन में फूट नहीं होती है। अगर सरकार के सहयोगी दल इमरान से बगावत करते हैं तो उनको संकट का सामना करना पड़ सकता है। प्रो. पंत पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता को बहुत शुभ नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान में इसी अस्थिरता का फायदा सेना उठाती है। उनका कहना है कि यह अस्थिरता अगर लंबे समय तक चली तो सेना का दखल बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर यह गतिरोध लंबा चला तो यह भी संभव है कि सत्ता पर सेना का कब्जा हो जाए। हालांकि, सेना अभी मौन है और राजनीतिक गतिविधियों पर उसकी नजर है। उन्होंने कहा कि अगर इमरान सरकार के सहयोगी दल सरकार से अलग होते हैं तो देश में आम चुनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रो. पंत का कहना है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि इमरान सरकार के सहयोगी राजनीतिक दलों का क्या रुख होता है। एमक्यूएम-पी और पीएमएल-क्यू का सरकार में बड़ा रोल है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की नजर इन राजनीतिक दलों पर होगी। प्रो. पंत ने कहा कि एमक्यूएम-पी के पास नेशनल असेंबली में सात सीटें हैं। पीएमएल-क्यू के पास पांच सीटें हैं। उन्होंने कहा यदि सरकार में शामिल दोनों दल इमरान से अलग हो जाते हैं तो सरकार का गिरना तय है। हालांकि, दोनों दलों ने सरकार के साथ रहने का फैसला लिया है। ऐसे में विपक्ष को सरकार का गिरा पाना एक टेढ़ी खीर है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में सबसे बड़े विपक्षी मोर्चे पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में शामिल नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल-एन) ने सरकार को घेरने के लिए अविश्वास प्रस्ताव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए ।

नवाज शरीफ के भाई शाहबाज शरीफ ने पार्टी से अलग हुए धड़े एमएमएल-क्यू के अध्यक्ष चौधरी शुजात से मुलाकात की है। पाकिस्तान के सियासी गलियारों में इसे 'मिलाप' कहा जा रहा है। दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच 16 साल बाद मुलाकात हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने भी इमरान सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन तेज कर दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2015 दंगा केस:

हार्दिक पटेल ने दोषसिद्धि पर रोक के लिए खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा, बोले- नहीं लड़ पा रहा हूं चुनाव

नेशनल डेस्क।

गुजरात में दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया है कि 2015 के विसनगर दंगा मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई की जाए। हार्दिक पटेल के वकील ने सोमवार को जस्टिस बीएन करिया की अदालत से मामले में तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस नेता के चुनाव लड़ने पर रोक है और अगर उनकी अपील पर फैसला हो जाएगा तभी वह चुनाव लड़ सकेंगे। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 फरवरी की तारीख तय की है। मेहसाणा जिले के विसनगर की एक सत्र अदालत ने जुलाई 2018 में पटेल को 2015 के पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान शहर में दंगा और आगजनी के लिए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने अगस्त 2018 में उनकी सजा को स्थगित कर दिया था, लेकिन उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई थी। जन प्रतिनिधित्व कानून और सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा का सामना करने वाला व्यक्ति तब तक चुनाव नहीं लड़ सकता जब तक कि उसकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगा दी जाती। पटेल ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देते हुए 2018 में गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया था और इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। अदालत ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उस याचिका को खारिज कर दिया था। पटेल बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे और उन्हें पार्टी की राज्य इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

सर्वे में खुलासा- टीकाकरण के बाद करेंगे यह उपाय तो बढ़ाई जा सकती हैं एंटीबॉडी की मात्रा

वाशिंगटन।

कोरोना को हराने के लिए सरकार जोरों-शोरो से टीकाकरम अभियान चला रही हैं। ऐसे में आए दिन कोरोना को लेकर नए नए सर्वे सामने आते रहते हैं। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है कि अगर कोविड-19 या किसी फ्लू से बचने के लिए टीकाकरण कराने के बाद 90 मिनट तक हल्की या मध्यम स्तर की कसरत करके शरीर में एंटीबॉडी की मात्रा बढ़ाई जा सकती हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष 'ब्रेन, बिहेवियर एंड इम्युनिटी' पत्रिका में प्रकाशित किए गए है। अध्ययन में शामिल जिन लोगों ने टीकाकरण कराने के बाद डेढ़ घंटे तक साइकिल चलाई या सैर की, उनमें आगामी चार सप्ताह में उन लोगों की तुलना में अधिक एंटीबॉडी बनीं, जिन्होंने टीकाकरण के बाद किसी प्रकार का व्यायाम नहीं किया था। अमेरिका स्थित 'आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी' के अनुसंधानकर्ताओं ने भी चूहों और ट्रेडमिल का इस्तेमाल करके इसी प्रकार का प्रयोग किया, जिसका निष्कर्ष भी समान निकला। आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर मरियन कोहुट ने कहा कि इस बात के कई कारण हो सकते हैं कि लंबे समय तक हल्की या मध्यम स्तर की कसरत करने से शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता में सुधार क्यों होता है।

अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, व्यायाम करने से रक्त प्रवाह बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा कोशिकाओं के संचार में मदद करता है और जब ये कोशिकाएं शरीर में प्रवाहित होती हैं, तो किसी बाहरी तत्व को बेहतर तरीके से उनके द्वारा पहचान लेने की संभावना अधिक होती है। कोहुट ने कहा, ''लेकिन इसका कारण जानने के लिए और अनुसंधान की आवश्यकता है। जब हम कसरत करते हैं, तो शरीर में चयापचय, जैव रासायनिक, न्यूरोएंडोक्राइन और (रक्त एवं कोशिका के) संचार स्तर पर कई बदलाव होते हैं। उन्होंने कहा कि संभवतः इन कारकों के संयोजन के कारण एंडीबॉडी की मात्रा बढ़ती है।

जम्मू-कश्मीर की उच्च सुरक्षा वाली जेल में मोबाइल फोन पहुंचाने वाला सिपाही निलंबित

जम्मू । जम्मू-कश्मीर जेल विभाग की उस शिकायत के बाद सोमवार को एक पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया, जिसमें दावा किया गया था कि वह उच्च सुरक्षा वाली श्रीनगर सेंट्रल जेल के अंदर एक फोन पहुंचा रहा था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि जेल विभाग की ओर से शुरू की गयी आंतरिक निगरानी के दौरान जम्मू कश्मीर सशस्त्र बल की छठी बटालियन के चयन संवर्ग के सिपाही मुंतजिर अब्बास को मोबाइल पहुंचाते पिछले माह पकड़ा गया था। अधिकारियों ने कहा कि जेल महानिदेशक बी. श्रीनिवास ने मामले की सूचना गृह विभाग को दी, जिसने उन्हें निलंबन से पहले अपनी बटालियन में वापस भेज दिया और उनके खिलाफ समयबद्ध विभागीय जांच का आदेश दिया । गृह विभाग द्वारा सोमवार को जारी एक आदेश में, प्रमुख सचिव टी शालीन काबरा ने कहा कि अब्बास को निलंबित कर दिया गया है और पुलिस महानिदेशक (कारा) के 25 जनवरी के पत्राचार के संदर्भ में जांच का आदेश दिया गया है। हालांकि, आदेश में उनके निलंबन का कोई विशेष कारण नहीं दिया गया है। आदेश में कहा गया है, पुलिस महानिदेशक, मौजूदा नियमों के अनुसार, अब्बास के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करेंगे और दो महीने के भीतर प्रशासनिक विभाग को सहायक दस्तावेजों के साथ प्रत्येक आरोप पर निष्कर्षों के साथ जांच की रिपोर्ट सौंपेंगे। काबरा ने कहा कि जब तक निलंबन आदेश लागू रहता है।

जनरल नरवणे ने सऊदी अरब के कमांडर से की बातचीत, इन मुद्दों को लेकर हुई चर्चा

नेशनल डेस्क। थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को 'रॉयल सऊदी लैंड फोर्सेज के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल फहद बिन अब्दुल्ला मोहम्मद अल-मुतैर से द्विपक्षीय रक्षा एवं सैन्य संबंधों को प्रगाढ़ करने को लेकर वार्ता की। लेफ्टिनेंट जनरल अल मुतैर को वार्ता से पहले 'साउथ ब्लॉक मैदान में 'गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। थलसेना ने ट्वीट किया, ''सऊदी अरब की रॉयल सऊदी लैंड फोर्सेज के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल फहद बिन अब्दुल्ला मोहम्मद अल-मुतैर ने जनरल एम एम नरवणे से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। थल सेना प्रमुख ने दिसंबर 2020 में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस खाड़ी देश की यात्रा की थी, जो भारतीय सेना के किसी प्रमुख की सऊदी अरब की पहली यात्रा थी।

अश्विनी कुमार के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में मची हलचल, पार्टी नेताओं की इस तरह रही प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।

पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया।जिसकेबाद उन्होंने कहा कि उनके भीतर पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पण का अभाव था। कुमार ने दावा किया कि कांग्रेस अपने पतन ओर बढ़ रही है, लेकिन वह आत्मावलोकन करने के लिए तैयार नहीं है। वहीं इस पर पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि कोई पार्टी छोड़ता है तो बुरा लगता है। हम एक वैचारिक लड़ाई लड़ रहे हैं। जिनमें विचाराधारा की प्रतिबद्धता की कमी होती है, वो छोड़कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनमें (अश्विनी कुमार) कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पण का अभाव था। वह वैचारिक रूप से कांग्रेस की नीयत, नीति और नेतृत्व के प्रति समर्पित नहीं थे। वहीं इससे पहले कांग्रेस नेता जयवीर शेरगिल ने कहा था कि जब भी एक सदस्य जिसका पार्टी से 40-45 साल का रिश्ता रहा वो छोड़कर जाता है तो ये दुख की बात है लेकिन हमारी शुभकामनाएं अश्विनी कुमार के साथ हैं। अश्विनी कुमार का इस्तीफा पंजाब चुनाव पर कोई असर नहीं डालने वाला क्योंकि ये चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। अश्विनी कुमार का इस्तीफा पंजाब चुनाव पर कोई असर नहीं डालने वाला क्योंकि ये चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ा जा रहा है।

स्कूल प्रशासन ने हिजाब पहनने से रोका तो छोड़ी 10वीं की परीक्षा, बोली- हिजाब के बिना नहीं दूंगी एग्जाम

नेशनल डेस्क।

कर्नाटक में हिजाब विवाद अभी भी थमता हुआ नहीं दिखाई दे रहा है। शिवमोग्गा शहर के कर्नाटक पब्लिक स्कूल में कई छात्राओं ने स्कूल में हिजाब पहनने से मना करने पर परीक्षा का बहिष्कार कर दिया। छात्राएं हिजाब पहनकर परीक्षा देना चाहती थी लेकिन स्कूल प्रशासन ने ऐसा करने से मना कर दिया। जिसके बाद छात्राएं भी परीक्षा को छोड़कर बाहर निकल गईं। स्कूल की एक छात्रा हिना कौसर कहती हैं, ÷मुझे स्कूल में प्रवेश करने से पहले हिजाब हटाने के लिए कहा गया था।

मैं ऐसा नहीं कर सकती, इसलिए मैंने परीक्षा में शामिल नहीं होने का फैसला किया।÷ वहीं, कोडागु जिले के नेल्लीहुडिकेरी में कर्नाटक पब्लिक स्कूल के कुछ छात्राओं ने हिजाब बैन का विरोध किया। एक आदमी की भतीजी इस स्कूल मे पढ़ती है। उसने कहा कि अदालत के फैसले के बाद ही मैं अपनी भतीजी को स्कूल लाऊंगा। शिक्षा महत्वपूर्ण है लेकिन हिजाब हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। एक अभिभावक जिसकी बेटी उडुपी के पकिरनगर के सरकारी उर्दू स्कूल की छात्रा है, कहती है, स्कूल में हिजाब पर प्रतिबंध के बाद मैं उसे स्कूल नहीं भेज रहा हूँ। अब तक, हमारे परिवार के कई लोग हिजाब पहनकर इस स्कूल में पढ़ चुके हैं। क्यों नियमों में अचानक कोई बदलाव आया है? बता दें कि, कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में हिजाब को लेकर हुए प्रदर्शन और कुछ स्थानों पर हिंसा भड़कने के बाद राज्य सरकार ने 9 फरवरी को 3 दिन के लिए कक्षाएं बंद कर दी थी जिसे बाद में 16 फरवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया था।

बेहद शर्मसार! बिस्तर से उठने में असमर्थ 87 वर्षीय महिला से बलात्कार, 16 घंटे के अंदर ऐसे गिरफ्तार हुआ आरोपी

नेशनल डेस्क।

राजधानी दिल्ली एक बार फिर से शर्मसार हुई। पश्चिम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक मकान में बिस्तर से उठने में असमर्थ 87 वर्षीय महिला से बलात्कार करने के आरोप में एक सफाईकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह घटना रविवार रात को तब हुई थी जब बुजुर्ग महिला की बेटी अपने मित्र से मिलने गई हुई थी। दिल्ली पुलिस ने ट्विटर पर बताया कि तिलक नगर में बुजुर्ग महिला के उत्पीड़न के मामले को हल कर लिया गया है। उसने बताया कि ऐसे आरोपी को 16 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया जबकि मामले में कोई सुराग नहीं था। पुलिस ने कहा कि पीड़िता का मोबाइल फोन उसके पास बरामद कर लिया गया है। आरोपी नज़दीकी इलाके में रहता है और सफाईकर्मी है। पुलिस ने मामले की तफ्तीश करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया। पुलिस के मुताबिक, भारतीय दंड संहिता धारा 380, 323 और 376 के तहत मामला दर्ज किया गया था। बुजुर्ग महिला के परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने कार्रवाई करने में देरी की और उनकी शिकायत नहीं ली। अधिकारियों ने इस इल्ज़ाम का खंडन किया है। पुलिस ने कहा था कि रविवार रात केवल चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी और तिलक नगर थाने में इसके आधार पर तुरंत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि सोमवार को, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया है तब मामले में अन्य संबंधित धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस के अनुसार, महिला के परिजन ने शिकायत में कहा था कि एक व्यक्ति मकान में घुसा ।

कर्नाटक में आज से खुलेंगे प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज

सरकार बोली- छात्राओं को भड़काने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

नेशनल डेस्क।

कक्षाओं के अंदर हिजाब पहनने को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के कारण बंद रहे कर्नाटक के प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज के खुलने से एक दिन पहले राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि प्राधिकारियों को उन धार्मिक संगठनों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है, जो समाज को तोड़ने और छात्रों को बहकाने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने एक बयान में आरोप लगाया, ''कुछ धार्मिक संगठन समाज को विभाजित करने के लिए छात्रों का इस्तेमाल कर रहे हैं।... उनकी पहचान करने और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि सभी नहीं, अपितु कुछेक छात्राएं इस बात पर जोर दे रही हैं कि उन्हें हिजाब पहनकर स्कूल जाने की अनुमति दी जाए। ज्ञानेंद्र ने दावा किया, ''मेरा मानना है कि यह (हिजाब पहनने की मांग करना) उनकी (छात्राओं की) अपनी सोच नहीं है। हमें कर्नाटक हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का सम्मान करना चाहिए और उसी के अनुसार कदम उठाना चाहिए। कर्नाटक हाईकोर्ट ने हिजाब विवाद से संबंधित अपने अंतरिम आदेश में छात्रों के हिजाब या भगवा गमछा पहनकर कक्षाओं में बैठने पर रोक लगा दी है। ज्ञानेंद्र ने कहा कि राज्य में शांति एवं कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के मकसद से सुरक्षा के लिए कदम उठाए गए हैं, ताकि छात्र बिना किसी रुकावट के कक्षाओं में बैठ सकें।

उन्होंने छात्रों से डर या असुरक्षा की भावना के बिना शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया। ज्ञानेंद्र ने कहा कि राज्य में शांति एवं कानून-व्यवस्था ताकि छात्र बिना किसी रुकावट के कक्षाओं में बैठ सकें। उन्होंने छात्रों से डर या असुरक्षा की भावना के बिना शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जताई चिंता- तालिबान के सत्ता में आने से सुरक्षा को जटिल खतरा

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में सोमवार को भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने से क्षेत्र के बाहर, विशेष रूप से अफ्रीका के कुछ हिस्सों में एक जटिल सुरक्षा खतरा पैदा हो गया है। आतंकवाद विरोधी समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी उद्घाटन टिप्पणी देते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि अगस्त 2021 में काबुल के तालिबान अधिग्रहण के साथ अफगानिस्तान में परिणामी परिवर्तन देखा गया। आतंकवाद विरोधी समिति की खुली ब्रीफिंग के दौरान राजदूत तिरुमूर्ति ने कहा कि सुरक्षा परिषद को हाल ही में 1988 की समिति की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि तालिबान के संबंध बड़े पैमाने पर हक्कानी नेटवर्क के माध्यम अल-कायदा और विदेशी आतंकवादी लड़ाकों से घनिष्ठ बने हुए हैं। यह संबंध एक जैसे विचार, एक जैसे संघर्ष और अंतर्विवाह के माध्यम से बने संबंधों पर आधारित हैं। भारतीय दूत ने कहा कि तालिबान, अल-कायदा और सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संस्थाओं जैसे लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बीच संबंध चिंता का एक और स्रोत है। उन्होंने कहा कि गंभीर चिंता की बात ये भी है कि अफगानिस्तान अल कायदा और क्षेत्र के कई आतंकवादी समूहों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल बन सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष क्षेत्रों में अपनी सैन्य हार के बाद से आईएसआईएल और अल-कायदा दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया दोनों में पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं। राजदूत तिरुमूर्ति ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरे को भी रेखांकित किया, जिसमें नई तकनीकों उन्होंने कहा कि हथियारों, नशीली दवाओं की तस्करी और आतंकी हमले शुरू करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव परिणाम आने के बाद टीएमसी गोवा छोड़ देगी

नेशनल डेस्क। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दावा किया है कि वह गोवा में 12 सीटें जीतेगी और उसकी सहयोगी महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) सात सीटों पर विजयी रहेगी। 40 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 21 सीटों की जरूरत होती है। राज्य की सभी 40 सीटों के लिए सोमवार शाम को मतदान खत्म हो गया है और नतीजे 10 मार्च को आएंगे। चुनाव से पहले, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने गोवा की सबसे पुरानी क्षेत्रीय पार्टी एमजीपी के साथ गठबंधन किया था। सोमवार शाम को मतदान संपन्न होने के बाद एक साक्षात्कार के दौरान बात करते हुए, टीएमसी के गोवा प्रदेश प्रमुख किरण कंडोलकर ने दावा किया कि उनकी पार्टी एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, टीएमसी राज्य में कम से कम 12 सीटें जीतेगी। हमारी सहयोगी एमजीपी सात सीटें पर विजय रहेगी। कंडोलकर ने कहा कि उनकी पार्टी को बहुमत से कुछ कम सीटें मिल सकती हैं, लेकिन उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे सदन में बहुमत साबित करने में सक्षम रहेंगे। उन्होंने इस आशंका को खारिज कर दिया कि चुनाव परिणाम आने के बाद एमजीपी टीएमसी से नाता तोड़ सकती है। कंडोलकर ने कहा कि यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि चुनाव परिणाम आने के बाद टीएमसी गोवा छोड़ देगी। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि फिलहाल गोवा में हमारे पास जमीनी स्तर का कोई कार्यकर्ता नहीं है, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान हम सभी 40 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रहे।

जम्मू कश्मीर में अब नहीं होगी बिजली की कमी, 22 बिजली परियोजनाओं का उद्घाटन

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रदेश में 22 बिजली पारेषण और वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं की कुल लागत 216 करोड़ रुपये है और इससे केंद्र शासित प्रदेश की बिजली की कमी की समस्या दूर होगी। सिन्हा ने एक ट्वीट में कहा, इन परियोजनाओं से जम्मू, सांबा, हीरानगर, कठुआ, उधमपुर और आसपास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति में सुधार और क्षमता में में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बिजली की मौजूदा कमी को दूर करने और जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशासन पारेषण और वितरण परियोजनाओं का उन्नयन कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में महिला सुरक्षा दस्ता गठित किया

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर दो महिला सुरक्षा दस्तों का गठन किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि ये दस्ते श्रीनगर में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटर के आसपास गश्त करेंगे। साथ ही दस्ते ऐसे स्थानों पर भी गश्त करेंगे, जहां महिलाओं के लिए खतरे की आशंका हो सकती है। उन्होंने कहा कि ये दस्ते शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन के भी संपर्क में रहेंगे ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। मध्य कश्मीर रेंज के उप महानिरीक्षक सजीत कुमार ने इन दस्तों की शुरुआत की और इस पहल के लिए श्रीनगर पुलिस की सराहना की। प्रवक्ता ने कहा कि हर दस्ते में पांच महिला पुलिसकर्मी या अधिकारी शामिल रहेंगी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मौत बनकर दौड़ा ट्रक, कई वाहनों को रौंदा, चार लोगों की मौके पर हुई मौत

नेशनल डेस्क। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मंगलवार की सुबह एक कंटेनर ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े छह बजे खोपोली क्षेत्र के बोरघाट के पास हुआ, जब कंटेनर ट्रक चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ट्रक ने पहले एक कार को टक्कर मारी और फिर व्यस्त मार्ग पर चार अन्य वाहनों से जा टकराया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि एक कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य वाहन के तीन यात्रियों को चोटें आईं और उन्हें पड़ोसी नवी मुंबई के कामोठे में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए जारी हुए आदेश, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। कीव में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी है। भारतीय दूतावास ने वर्तमान स्थिति की अनिश्चितताओं को देखते हुए भारतीयों, विशेष रूप से उन छात्रों जिनका रुकना जरूरी नहीं है उन्हें यूक्रेन को अस्थायी रूप से छोड़ने के लिए कहा है। मंगलवार को दूतावास ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है जिसमें भारतीय नागरिकों और खासतौर से छात्रों को अस्थायी रूप से यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा गया है। दूतावास की तरफ से जारी एडवाइजरी के अनुसार, यूक्रेन में मौजूदा स्थिति की अनिश्चितताओं को देखते हुए यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिक, खासतौर से छात्र जिनका रुकना जरूरी नहीं है, वे अस्थाई रूप से निकलने पर विचार कर सकते हैं। भारतीय नागरिकों को यूक्रेन और यूक्रेन के अंदर गैर जरूरी यात्रा से बचने की सलाह भी दी जाती है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे यूक्रेन में अपनी मौजूगी के बारे में दूतावास को अवगत कराएं, ताकि जरूरत पड़ने पर उन तक पहुंचा जा सके। यूक्रेन में भारतीयों को सेवाएं देने के लिए सामान्य रूप से काम करेगी। वे यूक्रेन में अपनी मौजूगी के बारे में दूतावास को अवगत कराएं, ताकि जरूरत पड़ने पर उन तक पहुंचा जा सके। यूक्रेन में भारतीयों को सेवाएं देने के लिए सामान्य रूप से काम करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई